राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 35
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
रविवार 04 जनवरी 2026
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट | पेज 3 नोएडा प्राधिकरण की 221 बोर्ड बैठक : स्पोर्टस सिटी, सहकारी | पेज 4 पीलीभीत में गन्ना पेराई, खरीद और भुगतान को मिली रफ्तार | पेज 6 विराट की नजर आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इन रिकार्डों

संक्षिप्त खबरें

हिमाचल में छात्रा मौत मामले में आरोपी प्रोफेसर सस्पेंड

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश में धर्मशाला कॉलेज की पूर्व छात्रा पल्लवी की रैगिंग के बाद मौत मामले में आरोपी प्रोफेसर अशोक कुमार को सरकार ने सस्पेंड कर दिया है। सस्पेंशन अवधि के दौरान अशोक का हेडक्वार्टर शिक्षा निदेशालय, शिमला में तय किया गया है। वहीं इससे पहले जिला अदालत से 12 जनवरी तक अशोक कुमार को अंतरिम जमानत मिल गई। कोर्ट ने जांच में पूरा सहयोग करने की शर्त पर राहत दी है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी मामले में संज्ञान लेते हुए कॉलेज को फैक्ट-फाइंडिंग कमेटी के गठन के निर्देश दिए है।

बयान दर्ज कराने पहुंचीं लोक गायिका नेहा को लौटाया

लखनऊ। लोक गायिका नेहा सिंह राठौड़ शनिवार रात लखनऊ के हजरतगंज कोतवाली बयान दर्ज कराने पहुंचीं। यहां करीब साढ़े 3 घंटे रहीं, लेकिन पुलिस ने बिना बयान लिए ही उन्हें लौटा दिया। घर जाते समय नेहा ने कहा- पुलिस ने बताया है कि किसी महिला का बयान रात में दर्ज नहीं कर सकते। ऐसे में उन्हें फिर से नोटिस देकर बुलाया जाएगा। जब भी नोटिस दिया जाएगा, तो हम बयान दर्ज कराने आएंगे। इससे पहले खबर आई थी कि बयान दर्ज कराने आईं नेहा सिंह राठौर को हिरासत में लिया गया है। आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा था- चौकीदरवा कायर बा...।

हैप्पी मॉर्निंग

पत्नी- मैं अपने पुराने कपड़े दान कर दूं क्या? पति- नहीं फेंक दे, क्या दान करना.. पत्नी- नहीं जी, दुनिया में बहुत सी गरीब और भूखी प्यासी औरतें हैं, किसी के काम आ जाएंगे.. पति- तेरे साइज के कपड़े जिसे आ जाएंगे वह क्या भूखी प्यासी होगी।

शायरी

बच्चों की फ़ीस उन की किताबें
क़लम दवात
मेरी ग़रीब आँखों में स्कूल चुभ गया : मुनव्वर राना

अर्थसार

सेंसेक्स:
85,762.01
+573.41 (0.67%)
निफ्टी:
26,328.55
+182.00

मौसम

अधिकतम : 16 डिग्री से0
न्यूनतम : 06 डिग्री से0
सूर्योदय सोमवार : 7 : 14
सूर्यास्त रविवार : 5 : 37

वेनेजुएला के राष्ट्रपति को अमेरिका लाया गया, 'वेनेजुएला की कमान संभालेगा अमेरिका'

ब्लू जैकेट पहनी, मुंह ढंका गया; ड्रग्स-हथियार तस्करी का मुकदमा चलेगा, अमेरिकी सैनिकों ने बेडरूम से पकड़ा था

न्यूयॉर्क। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को 4 जनवरी की आधी रात अमेरिका लाया गया। अमेरिकी सेना का विमान न्यूयॉर्क के स्टुअर्ट एयर नेशनल गार्ड बेस पर उतरा।

मादुरो को कड़ी सुरक्षा के बीच प्लेन से उतारा गया। वे नीले रंग की जैकेट थे, उनका मुंह ढंका हुआ था। हालांकि, प्लेन से केवल मादुरो ही उतरते नजर आए। उन्हें बेस पर बने हैंगर में ले जाया गया।

अमेरिकी कब्जे में लिए जाने के बाद मादुरो की तस्वीर।

अब मादुरो को अगले हफ्ते मैनहैटन की अदालत में पेश किए जाने की संभावना है। उन पर ड्रग्स और हथियार तस्करी से जुड़े गंभीर आपराधिक मुकदमे चलाए जाएंगे।

अमेरिकी सैनिकों ने 3 जनवरी की रात वेनेजुएला पर हमला कर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस को अगवा कर लिया था।

सीएनएन ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि उन्होंने मादुरो और उनकी पत्नी को बेडरूम से घसीटकर बाहर निकाला और अपने कब्जे में लिया था।

ट्रंप ने अपने फ्लोरिडा स्थित मार-ए-लागो आवास से प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अमेरिका वेनेजुएला का संचालन तब तक करेगा जब तक 'सुरक्षित, उचित और विवेकपूर्ण' सत्ता हस्तांतरण नहीं हो जाता। ट्रंप ने कहा कि हम देश को तब तक चलाएंगे जब तक हम एक सुरक्षित और उचित सत्ता हस्तांतरण नहीं कर लेते। हम नहीं चाहते कि कोई और सत्ता में आए और हमें फिर वही पुरानी समस्याएं झेलनी पड़ें। इसलिए हम देश का संचालन करेंगे। उन्होंने अमेरिकी तेल कंपनियों को वेनेजुएला के क्षतिग्रस्त तेल बुनियादी ढांचे की मरम्मत और उत्पादन बढ़ाने के लिए भेजने की बात कही, जिससे देश अरबों डॉलर कमा सकेगा।

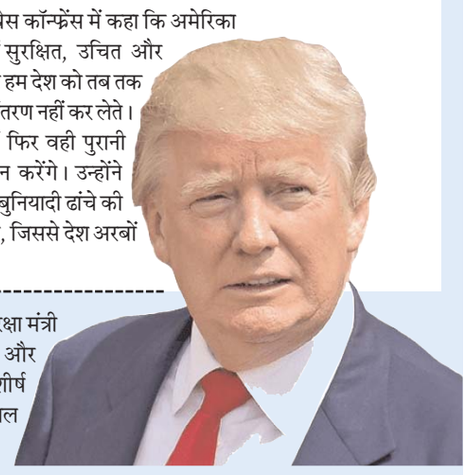

ट्रंप ने कहा है कि जब तक वेनेजुएला के हालात ठीक नहीं हो जाते तब तक देश को अमेरिका ही चलाएगा। इसके लिए एक खास टीम बनाई गई है, जिसमें अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और अन्य शीर्ष अधिकारी शामिल हैं।

विरोध प्रदर्शन

पशु अधिकार कार्यकर्ताओं ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करते हुए तख्तियां पकड़ी हुई हैं और सर्वोच्च न्यायालय से सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने के अपने 'अत्यावहारिक और अमानवीय' आदेश को वापस लेने का आग्रह किया है।

जबलपुर में डॉक्टर की दिनदहाड़े हत्या

जबलपुर। जबलपुर जिले के ग्वारा गांव में दिनदहाड़े एक डॉक्टर की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान महेंद्र साहू (27) के रूप में हुई है। वह अपने बड़े भाई की स्कॉर्पियो कार से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए आरोपियों ने कार को घेर लिया। आरोपियों ने महेंद्र साहू को कार से जबरन नीचे उतारा और चाकुओं से गले पर ताबड़तोड़ वार कर उनकी हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। आरोपियों का भागते हुए सीसीटीवी भी सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही सीएसपी अंजुल आयंक, भेड़ाघाट थाना पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छत्तीसगढ़ में 14 नक्सली ढेर

देवा का 20 नक्सलियों समेत सरेंडर, सुकमा में 12, बीजापुर में 2 मारे गए, सभी के शव और हथियार बरामद

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में शनिवार सुबह दो अलग-अलग जगहों पर मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 14 नक्सलियों को मार गिराया है। सुकमा के किस्टाराम इलाके में 12 और बीजापुर में 2 नक्सली मारे गए हैं। सभी के शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं।

मारे गए माओवादियों में कुख्यात माओवादी कोंटा एरिया कमेटी प्रभारी वेट्टी मंगडू उर्फ मुक्का और कोंटा एरिया कमेटी सचिव माड़वी हितेश उर्फ हुंगा शामिल हैं। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। दोनों ओर से रुक-रुककर फायरिंग हो रही है।

हैदराबाद में पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी है। देवा अपने साथियों के साथ तेलंगाना के मुलुगु पहुंचा था, जहां से पुलिस उसे हैदराबाद लेकर पहुंची थी। बड़ी संख्या में हथियार और कैश भी नक्सलियों ने सरेंडर किए हैं।

सुकमा के किस्टाराम इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी के इनपुट पर डीआरजी की टीम को ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया था। इस दौरान शनिवार सुबह करीब 8 बजे नक्सलियों ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में फोर्स ने 12 नक्सलियों को ढेर कर दिया। सभी के शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। सर्चिंग जारी है।

इधर, बीजापुर में माओवादियों की मौजूदगी की इनपुट मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने अभियान शुरू किया। डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) की टीम नक्सल विरोधी ऑपरेशन पर निकली थी। इसी दौरान शनिवार तड़के नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी।

सुबह करीब 5 बजे से माओवादियों के साथ रुक-रुककर मुठभेड़ चल रही है। सर्च ऑपरेशन के दौरान मुठभेड़ स्थल से अब तक दो नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ की पुष्टि एसपी जितेंद्र यादव ने की है। मारा गया एक नक्सली एरिया कमेटी मेंबर है, जिस पर पर 5 लाख का नाम इनाम था, जबकि दूसरा 8 लाख का इनामी था।

बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर केकेआर से बाहर

बीसीसीआई के निर्देश के बाद शाहरुख की टीम ने निकाला, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के कारण विरोध था

कोलकाता नाइट राइडर्स ने बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर कर दिया है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रही हिंसा के बीच उन्हें टीम से हटाने की मांग उठ रही थी। इसके बाद बीसीसीआई ने शाहरुख खान की आईपीएल टीम केकेआर को मुस्तफिजुर रहमान को हटाने का निर्देश दिया था, जिसके बाद यह फैसला लिया गया।

केकेआर ने ट्वीट किया- बीसीसीआई के निर्देश के बाद सभी जरूरी प्रक्रियाओं और आपसी परामर्श के बाद मुस्तफिजुर को टीम से बाहर कर दिया गया है। आईपीएल नियमों के अनुसार बीसीसीआई ने केकेआर को एक रिप्लेसमेंट खिलाड़ी लेने की अनुमति दी है। इससे जुड़ी आगे की जानकारी समय आने पर साझा की जाएगी।

इससे पहले बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने आज सुबह कहा, हाल के दिनों में जो घटनाक्रम सामने आए हैं, उन्हें देखते हुए बोर्ड ने केकेआर को मुस्तफिजुर को रिलीज करने का निर्देश दिया है। अगर फ्रेंचाइजी किसी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी की मांग करती है, तो उसे इसकी अनुमति दी जाएगी।

बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही हिंसा के बीच रहमान के आईपीएल में खेलने का विरोध हो रहा है। वहां पिछले 14 दिन में 4 हिंदुओं की हत्या की जा चुकी है। आईपीएल 2026 की शुरुआत 26 मार्च से होगी।

असम में 'डायन' बताकर दंपती की नृशंस हत्या मामले में 18 गिरफ्तार

एजेंसी

कार्बी आंगलोंग। अंधविश्वास की वहशी मानसिकता ने असम में इंसानियत को एक बार फिर रौंद दिया। कार्बी आंगलोंग जिले के बेलोगुरी मुंडा गांव में ग्रामीणों की भीड़ ने जादू-टोना करने के शक में एक पति-पत्नी को घेरकर बेरहमी से मार डाला और हत्या के बाद उनके शवों को घर के सामने ही जला दिया।

पुलिस ने इस दिल दहला देने वाले मामले में अब तक चार महिलाओं सहित 18 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, 30 दिसंबर की रात सूचना मिली कि 46 वर्षीय गार्डी बेरुवा और उनकी पत्नी मीरा बेरुवा को गांववालों ने डायन बताकर निशाना बनाया। मौके पर पहुंची पुलिस को घर टूटा हुआ मिला और आंगन में जलती आग के अवशेष मिले।

जांच में सामने आया कि हत्या के बाद सबूत मिटाने के इरादे से दोनों शवों को जला दिया गया। आइजीपी अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि यह जघन्य अपराध है और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने कहा कि मामले की वैज्ञानिक तरीके से जांच की जा रही है और जैसे शिवसागर मामले में दोषियों को उम्रकैद की सजा मिली थी, वैसे ही यहां भी सख्त कार्रवाई होगी।

पुलिस ने घटनास्थल से खून से सनी मिट्टी, लकड़ी का डंडा और गोबर का घोल जब्त किया है, जिनका इस्तेमाल सबूत मिटाने के लिए किया गया था।

मामले में असम डायन विरोधी कानून और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है।

एक्ट्रेस सोनम बाजवा न्यू ईयर परफॉर्मेंस से विवादों में फंसी

लुधियाना। एक्ट्रेस सोनम बाजवा के न्यू ईयर पर गोवा में डांस देखकर पंजाबी भड़क गए हैं। परफॉर्मेंस के दौरान सोनम के शॉर्ट कॉस्ट्यूम पहनने पर सोशल मीडिया पर पंजाबियों ने एतराज जताया है। सोनम का वीडियो सामने आने पर यूजर ने लिखा की छोटे कपड़े पहनकर सोनम पंजाब का जुलूस निकलवा रही है। यह पंजाब का सभ्याचार नहीं है। गुस्साए यूजर ने सोनम को फेल हीरोइन तक कह दिया। परफॉर्मेंस के दौरान सोनम के डांस मूव को देखकर भी यूजर्स ने कहा कि इससे बढ़िया खाड़कुओं का टाइम था, तब ऐसी गंदगी नहीं हुआ करती थी। यह पहली बार नहीं है, जब सोनम बाजवा विवादों में फंसी हों। इससे पहले वह एक फिल्म में शराब-सिगरेट पीने और फिर मस्जिद में शूटिंग को लेकर विवादों में घिर चुकी हैं।

राजस्थान में घना कोहरा, फतेहपुर में पारा 2.8 पहुंचा

एमपी में अगले 15 दिन शीतलहर का अलर्ट; कश्मीर-हिमाचल में बर्फबारी से तापमान 0 से नीचे

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। पहाड़ों में बर्फबारी के बाद मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ गई है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में शनिवार को तापमान शून्य से नीचे चला गया, जबकि दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान समेत मैदानी इलाकों में ठंड के साथ घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ने की चेतावनी दी है।

मध्य प्रदेश के भोपाल में सर्दी के इस सीजन में पहली बार पूरे दिन घना कोहरा रहा। 11 शहरों में दिन का तापमान 20 डिग्री से नीचे रहा। मौसम विभाग के अनुसार अगले 15 दिन शीतलहर का अलर्ट है।

राजस्थान के सीकर, हनुमानगढ़ समेत 10 जिलों में भी शुक्रवार को घना कोहरा छाया रहा। पिछले 24 घंटों में सीकर जिले का फतेहपुर प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इधर, राजधानी दिल्ली में आने वाले दिनों में घना से मध्यम कोहरा बना रह सकता है। मौसम विभाग ने रविवार के लिए घने कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया है। शनिवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 17.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो औसत से 1.2 डिग्री ज्यादा रहा।

उधर, कश्मीर घाटी में कड़ाके की ठंड है। घाटी के अधिकतर इलाकों में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया है। शनिवार को उत्तर कश्मीर का गुलमर्ग सबसे ठंडा रहा, जहां तापमान माइनस 6.5 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया।

दूषित पानी से मौत

एमपी के दूसरे जिलों के 15 डॉक्टर भी बुलाए, जहरीले पानी से अब तक 16 की मौत

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बैक्टीरियोलॉजी की टीम पहुंची इंदौर

इंदौर। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतों का आंकड़ा शनिवार को 16 पर पहुंच गया। 150 लोग अभी भी अस्पतालों में भर्ती हैं। अलग-अलग हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती लोगों को एक जगह शिफ्ट किया जा रहा है। शनिवार शाम 6 बजे के बाद ऐसे 12 मरीज बॉम्बे हॉस्पिटल के आईसीयू में लाए गए।

उधर, कोलकाता से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बैक्टीरियोलॉजी की टीम इंदौर पहुंची है। यह टीम भागीरथपुरा से सीधे पानी के सैंपल लेकर बैक्टीरिया की गहराई से जांच करेगी, ताकि संक्रमण के स्रोत और फैलाव की पूरी कड़ी स्पष्ट हो सके।

नेशनल हेल्थ मिशन की डायरेक्टर सलोनी सिडाना भी शनिवार को इंदौर पहुंचीं। उन्होंने अलग-अलग अस्पतालों में जाकर मरीजों का हाल जाना। कहा- हमने 15 डॉक्टर्स अन्य जिलों से इंदौर में बुलाए हैं। दवाइयां और रेपिड टेस्ट किट भी मंगाई हैं।

कांग्रेस-भाजपा कार्यकर्ता भिड़े, पूर्व मंत्री-विधायक को हिरासत में लिया

शनिवार को कांग्रेस की पांच सदस्यीय जांच समिति भागीरथपुरा के लोगों से मिलने पहुंची थी। यहां बीजेपी कार्यकर्ता सामने आ गए। उन्होंने बाहरी लोग वापस जाओ के

नारे लगाए तो कांग्रेसी घंटा पार्टी मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे। इसी दौरान किसी ने पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा की तरफ चप्पल भी फेंकी।

आखिरकार, पुलिस ने मोर्चा संभाला। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, विधायक महेश परमार, प्रताप गरेवाल, महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे को हिरासत में लिया। गाड़ी में बैठाकर उन्हें भागीरथपुरा से बाहर ले गए।

11 जनवरी से प्रदेशस्तरीय आंदोलन करेगी कांग्रेस

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा- अगर 11 जनवरी के पहले नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का इस्तीफा और मौतों के लिए जिम्मेदार अधिकारी, महापौर पर एफआईआर नहीं होती है तो कांग्रेस पूरे प्रदेश में धरना देगी।

पटवारी ने शनिवार को नर्मदापुरम में मीडिया से बातचीत में कहा- सरकार ने एक जान के बदले 2 लाख का मुआवजा दिया, चार अधिकारियों का ट्रांसफर कर दिया..ये जनता के साथ धोखा है। प्रदेश की एक पंचायत में सरकारी अधिकारी मात्र दो घंटे में डेढ़ लाख के ड्रायफ्रूट्स खा गए और यहां एक जान की कीमत मात्र 2 लाख रुपए। मुख्यमंत्री ये किस तरीके का मध्य प्रदेश बना रहे हैं? पटवारी ने कहा- इससे पहले 26 बच्चों की मौत दवा पीने से हुई।

अस्पताल में चूहों ने नोंचकर बच्चों को मार डाला, किसी पर कार्रवाई नहीं हुई। मंत्रियों को अपनी जवाबदारी लेनी पड़ेगी।

'बांग्लादेशी' की शिनाख्त करने पर महिला बीएलओ की जूते से पिटाई

एजेंसी

कोलकाता। बंगाल के हुगली जिले के डानकुनी इलाके में बांग्लादेशी की शिनाख्त करने पर एक महिला बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) की जूते से पिटाई की गई।

पीड़िता का नाम बिमली टुडु हांसदा है। उन्होंने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

बिमली ने बताया कि उन्होंने एसआइआर संबंधी कार्य के तहत अब्दुल रहीम गाजी नामक व्यक्ति की बांग्लादेशी नागरिक के तौर पर शिनाख्त कर अपने उच्च अधिकारियों को सूचित किया था। इसी को लेकर गाजी व उसके परिवार के सदस्यों ने उन्हें मारा-पीटा।

डानकुनी नगरपालिका के दो नंबर वार्ड के पांच नंबर बूथ की बीएलओ बिमली ने दावा किया कि गाजी का नाम मतदाता सूची में नहीं है। वह बर्द्धमान में रहने वाले एक व्यक्ति को अभिभावक बताकर अपना नाम मतदाता सूची में शामिल कराने का प्रयास कर रहा है।

दूसरी तरफ स्थानीय तृणमूल नेताओं ने बिमली की कार्य पद्धति पर प्रश्न उठाया है। कहा कि बीएलओ अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर काम कर रही हैं। गाजी छह नंबर बूथ के निवासी हैं जबकि बिमली के दायित्व में पांच नंबर बूथ है।

गाजी की पत्नी रानी व बिमली एक ही नर्सिंग होम में काम करती हैं। दोनों की आपस में नहीं बनती इसलिए बिमली उनके परिवार को बांग्लादेशी साबित करने का प्रयास कर रही हैं।

संपादकीय

कॉलेज में रैगिंग : छात्रों की आत्महत्या का बढ़ता खतरा

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

भारतीय कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में रैगिंग एक गंभीर समस्या बनी हुई है, जो न केवल छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है बल्कि कई मामलों में उनकी जान तक ले लेती है। रैगिंग, जो सीनियर छात्रों द्वारा जूनियर छात्रों पर की जाने वाली शारीरिक, मानसिक या भावनात्मक प्रताड़ना है, को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और यूजीसी (यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन) की गाइडलाइंस मौजूद हैं, लेकिन फिर भी यह जारी है। हाल के वर्षों में, रैगिंग के कारण छात्रों की आत्महत्याओं में वृद्धि दर्ज की गई है, जो शिक्षा प्रणाली की कमजोरियों को उजागर करती है।

रैगिंग की समस्या कितनी गंभीर है, इसका अंदाजा आंकड़ों से लगाया जा सकता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, देश में कुल 13,044 छात्रों ने आत्महत्या की, जो सभी आत्महत्याओं का 7.6 प्रतिशत है। 2020 से 2024 तक, रैगिंग से जुड़े 51 मौतों की रिपोर्ट दर्ज की गई है, जो कोटा में छात्र आत्महत्याओं की संख्या के करीब है। 2012 से 2023 तक, अकेले रैगिंग से जुड़े मामलों में 78 छात्रों की आत्महत्या हुई है। 2019 से 2023 तक के समाचार पत्रों के विश्लेषण से 491 छात्र आत्महत्याओं का पता चला। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि पिछले 10 वर्षों में छात्र आत्महत्याओं की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। विशेष रूप से मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों में यह समस्या अधिक है, जहां 2024 में यूजीसी को प्राप्त 880 शिकायतों में से 222 मेडिकल कॉलेजों से और 230 इंजीनियरिंग/पॉलिटेक्निक से थीं।

हालिया मामलों ने इस समस्या की गंभीरता को और उजागर किया है। सितंबर 2025 में, हैदराबाद के सिद्धार्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में 22 वर्षीय छात्र जादव साई तेजा ने रैगिंग और सीनियर्स द्वारा 10,000 रुपये की उगाही के कारण आत्महत्या कर ली। उसे जबरन शराब पिलाई गई और बिल चुकाने के लिए मजबूर किया गया। इसी तरह, जुलाई 2025 में बेंगलुरु के एक आर्किटेक्चर छात्र ने साथियों द्वारा रैगिंग के कारण वीडियो रिकॉर्ड कर आत्महत्या की। अगस्त 2025 में, हुबली के गुलेगुददा में 21 वर्षीय बीए छात्रा अंजलि मुंडास ने क्लासमेट्स द्वारा रैगिंग के बाद आत्महत्या की। जनवरी 2026 में, धर्मशाला के गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज में एक 19 वर्षीय छात्र की मौत को रैगिंग से जोड़ा गया, जिसकी यूजीसी जांच कर रही है। केरल में फरवरी 2024 में, वेटरनरी छात्र सिद्धार्थन जेएस ने 29 घंटे की लगातार प्रताड़ना के बाद आत्महत्या की, जिसमें एसएफआई के सदस्यों की कथित संलिप्तता थी। कानपुर में जून 2023 में, मेडिकल छात्रा तान्या ने रैगिंग के कारण टॉयलेट क्लीनर पीकर आत्महत्या की। ये मामले दिखाते हैं कि रैगिंग शारीरिक हिंसा, अपमान और ब्लैकमेल तक फैली हुई है।

रैगिंग के कारण मुख्यत: सीनियर्स का पावर दिखाने का प्रयास, सामाजिक दबाव और कॉलेज प्रशासन की लापरवाही हैं। छात्रों में तनाव, डिप्रेशन, चिंता और अलगाव की भावना बढ़ती है, जो आत्महत्या की ओर ले जाती है। परिवारों पर इसका गहरा प्रभाव पड़ता है; जैसे सोफिया कॉलेज की छात्रा के पिता ने रैगिंग निषेध कानून के लिए लड़ाई लड़ी। समाज में यह शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करता है और युवाओं के भविष्य को खतरे में डालता है।

सरकार और संस्थानों की प्रतिक्रिया में सुप्रीम कोर्ट ने 2009 में रैगिंग पर सख्त दिशानिर्देश दिए, जिसमें कॉलेज प्रिंसिपल और रजिस्ट्रार को जिम्मेदार ठहराया जाता है। यूजीसी ने एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन स्थापित की और फैक्ट-फाइंडिंग कमेटियां गठित कीं। 2024 में केरल हाईकोर्ट ने रैगिंग से जुड़े छात्रों की निष्कासन रद्द की, लेकिन जांच जारी रखी। फिर भी, कार्यान्वयन में कमी है। समाधान के रूप में, कॉलेजों में जागरूकता अभियान, काउंसलिंग सेंटर और सख्त सजा आवश्यक हैं। छात्रों को रिपोर्ट करने के लिए सुरक्षित प्लेटफॉर्म दें। माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों को बढ़ावा दें, जैसे टेली-मानस हेल्पलाइन। अंत में, रैगिंग को पूरी तरह समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं, ताकि कॉलेज जीवन सीखने का स्थान बने, न कि डर का।

समाधान, संकल्प और लोकतांत्रिक नवजागरण का उद्घोष हो

-ललित गर्ग-

नया साल 2026 अनेक आशाओं, अपेक्षाओं, उम्मीदों और संकल्पों के साथ हमारे सामने है। वर्ष 2025 जहाँ वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर इम्तिहान, अस्थिरता और इंतज़ार का साल रहा, वहीं 2026 से शांति, खुशहाली और प्रगति की बहाली की संभावना बनती दिख रही है। बीते वर्ष की घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि पुरानी समस्याओं के उत्तर पुराने तरीकों से नहीं मिल सकते। इसलिए 2026 में हमें बीते बस के सवालों के जवाब नए वक्त, नई सोच और नए विवेक में ढूंढने होंगे। यह वर्ष केवल कैलेंडर का बदलाव नहीं, बल्कि सोच, दृष्टि और प्राथमिकताओं के पुनर्निर्धारण का अवसर है। यह वर्ष समाधान, संकल्प और लोकतांत्रिक नवजागरण का उद्घोष बने, इसके लिये हमें तत्पर होना होगा, तैयारी करनी होगी।

दुनिया के मोर्चे पर देखें तो रूस-यूक्रेन और इज़राइल-फ़िलिस्तीन के युद्धों के अतिरिक्त भी कम-से-कम दस बड़े संघर्ष ऐसे हैं, जहाँ मानवता निरंतर घायल हो रही है। आतंकवाद, नस्ली विद्वेष, धार्मिक कट्टरता और सत्ता-लिप्सा ने इंसानी खून को सस्ता बना दिया है। वर्ष 2025 में यह रक्तपात थमा नहीं, पर नए साल में इन युद्धों, संघर्षों और आतंकवादी हरकतों से मुक्ति की आकांक्षा केवल भावनात्मक कामना नहीं, बल्कि वैश्विक नैतिकता की अनिवार्यता बननी चाहिए। भारत, जिसने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का संदेश विश्व को दिया है, शांति और संवाद की इस वैश्विक पहल में एक बार फिर नैतिक नेतृत्व की भूमिका निभा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते वर्ष में दुनिया को जता दिये है कि वे वैश्विक नेतृत्व करने एवं दुनिया को उन्नत बनाने की भूमिका निभाने में सक्षम है। भारत की अहिंसक सोच, सबको साथ लेकर चलने की प्रवृत्ति एवं सकारात्मक मानवीय नजरिया दुनिया के लिये उपयोगी हो सकता है।

भारत के लिए 2026 कई अर्थों में निर्णायक वर्ष है। आंतरिक राजनीतिक चुनौतियाँ हों या वैश्विक दबाव, नए साल में हमें कड़वे और कभी-कभी हिंसक अनुभवों का सामना करना पड़ सकता है। इसके बावजूद बीते वर्षों की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत शांति, अहिंसा, सौहार्द और सद्भावना के दीप जलाने का संकल्प दोहराएगा। प्रधानमंत्री का यह कथन विशेष अर्थ रखता है कि जहाँ 2025 सुधारों की बात अर्थात भारत के रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार रहने का वर्ष था, वहीं 2026 से 2047 तक का कालखंड भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की निर्णायक यात्रा है। यह यात्रा केवल आर्थिक आँकड़ों की नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और लोकतांत्रिक सुदृढ़ता की भी है। विभिन्न क्षेत्रों में किये जाने वाले सुधारों को प्रभावी बनाने के लिये यह अनिवार्य है कि राजनीति की ही भांति नौकरशाही के प्रत्येक स्तर पर सुधार हो। यह ठीक है कि केन्द्र सरकार से जुड़ी उच्च स्तर की नौकरशाही में बीते वर्षों में व्यापक बदलाव हुए है, लेकिन निचले स्तर पर उसका तौर-तरीका जस का तस है। सबसे चिन्ताजनक है कि नौकरशाही का भ्रष्टाचार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इसी कारण अनेक कार्य-योजनाओं का जैसा परिणाम आना चाहिए वैसा नहीं आ रहा है।

हालाँकि, यह स्वीकार करना होगा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और राजनीतिक मूल्यों में गिरावट को लेकर जो वातावरण बन रहा है, उसे गंभीरता से लेना आवश्यक है। लोकतंत्र केवल चुनावों का आयोजन भर नहीं है; यह संवाद, असहमति के सम्मान, संस्थाओं की गरिमा और संविधानिक मर्यादाओं का जीवंत तंत्र है। संसद लोकतंत्र का मंदिर है, पर पिछले वर्षों में संसद की कार्रवाई का बार-बार अवरोधित होना, हंगामे और गतिरोध लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करते हैं। नए साल में यह संकल्प लिया जाना चाहिए कि संसद अवरोध का मंच नहीं, बल्कि समाधान और विमर्श का केंद्र बने। सत्ता और विपक्ष-दोनों की यह साझा जिम्मेदारी है कि वे राष्ट्रीय हितों को दलगत राजनीति से ऊपर रखें। लोकतांत्रिक प्रणाली को एक नई ऊँचाई पर ले जाने के लिए राजनीतिक मूल्यों का पुनर्जागरण आवश्यक है। पारदर्शिता, जवाबदेही, नैतिकता और जन-सरोकार-इन चार स्तंभों पर ही सशक्त लोकतंत्र खड़ा होता है। 2026 में राजनीति को केवल सत्ता-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, बल्कि लोक-सेवा का माध्यम बनाने की आवश्यकता है। यदि राजनीति आम आदमी के दु:ख-दर्द, रोज़गार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ती है, तभी लोकतंत्र में जनता का विश्वास मजबूत होगा।

नया साल आम आदमी के जीवन में रोशनी बनकर आए-यह तभी संभव है जब हम समस्याओं का रोना रोने के बजाय समाधान की संस्कृति विकसित करें।

महँगाई, बेरोज़गारी, सामाजिक विषमता और पर्यावरण संकट जैसी समस्याएँ केवल सरकारी घोषणाओं से नहीं सुलझेंगी; इनके लिए सामूहिक संकल्प और सहभागिता चाहिए। भारत की जनता में यह सामर्थ्य है कि वह झूठ को पहचानती है, सज्जनता को स्वीकार करती है और इंसानियत के मायने जानती है। हमारी सभ्यता की जड़ें अहिंसा और शांति में हैं-इसी बल पर हमें अपने समय की जटिल चुनौतियों का समाधान खोजना होगा। स्वास्थ्य के मोर्चे पर 2026 को विशेष सतर्कता का वर्ष बनाना होगा। महामारी के बाद की दुनिया ने यह सिखाया है कि स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एवं वैश्विक सुरक्षा का प्रश्न है। खानपान की संस्कृति को नया आयाम देना होगा, स्थानीय, पौष्टिक और संतुलित आहार को बढ़ावा देते हुए। योग, ध्यान और जीवनशैली में संयम को अपनाकर ही हम स्वस्थ समाज की नींव रख सकते हैं।

साथ ही 'स्वदेशी' के मंत्र को नई ऊँचाई पर ले जाना होगा-चाहे वह उत्पादन हो, उपभोग हो या तकनीकी नवाचार। आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक नहीं, मानसिक और सांस्कृतिक भी होनी चाहिए।

सामाजिक जीवन में भी नए संकल्पों की आवश्यकता है। नशा, दिखावा और आडंबर हमारी सामाजिक ऊर्जा को खोखला करते हैं। सादगी, संयम और मूल्यबोध को प्रोत्साहित करना समय की माँग है। विवाह और सामाजिक संस्कारों को बाज़ारू प्रदर्शन से मुक्त कर मानवीय संबंधों की गरिमा से जोड़ना होगा। यही नहीं, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, जल-संरक्षण और प्रकृति के साथ सहअस्तित्व-ये सभी नए साल के अनिवार्य संकल्प होने चाहिए। तकनीक और परंपरा के संतुलन के बिना इक्कीसवीं सदी का भारत आगे नहीं बढ़ सकता। आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल सार्वजनिक ढाँचे और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत नए मानक स्थापित कर रहा है, पर इस प्रगति के साथ मानवीय संवेदनाओं का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। विकास का सही अर्थ वही है, जिसमें अंतिम पंक्ति में खड़ा व्यक्ति भी स्वयं को सम्मानित और सुरक्षित महसूस करे।

2026 में हमें बड़े बदलाव के लिए छोटे-छोटे लेकिन ठोस कदम उठाने होंगे। नए संकल्पों के पौधे रोपने होंगे, विकास एवं विवेक के नए 'स्वास्तिक' रचने होंगे-पर इसके लिए मौसम और माहौल दोनों बनाना पड़ेगा। सकारात्मक सोच, सामाजिक विश्वास और राजनीतिक सद्भाव-यही वह वातावरण है, जिसमें परिवर्तन के बीज फलते-फूलते हैं। तैयारी के बिना संकल्प खोखले रह जाते हैं; इसलिए नीति, नियत और नियोजन-तीनों का समन्वय अनिवार्य है। अंतत: नया साल 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि इतिहास अवसर देता है, पर दिशा हमें स्वयं तय करनी होती है। यदि हम शांति को प्राथमिकता, लोकतंत्र को आचरण और समाधान को संस्कृति बना लें, तो यह वर्ष केवल एक कैलेण्डर नहीं, बल्कि एक युगांतकारी मोड़ सिद्ध हो सकता है। भारत यदि अपनी आत्मा-अहिंसा, सहअस्तित्व और करुणा के साथ आगे बढ़ता है, तो 2026 न केवल हमारे लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए आशा और प्रकाश का वर्ष बनेगा। दुनिया को नयी दिशा एवं दृष्टि देने में सक्षम होगा।

जानलेवा पेयजल

यह शर्मनाक है कि जिस शहर को पिछले सात सालों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा दिया जा रहा था, वहां पेयजल में सीवर का पानी मिल जाने से एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो जाए। बताया जाता है कि इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर के पानी के रिसाव से हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। घटनाक्रम के बाद सौ के करीब लोग अस्पताल में भर्ती हुए और सैकड़ों लोग दूषित पेयजल के उपयोग से बीमार हैं। वैसे भी किसी सभ्य समाज में व्यक्ति आत्मग्लानि से यह सुनकर बीमार हो जाएगा कि जिस पानी को उसने उपयोग किया, उसमें सीवर का गंदा पानी मिला था। निस्संदेह, यह गंभीर प्रशासनिक लापरवाही ही है, जिसके चलते हजारों लोगों का जीवन संकट में पड़ गया। नगर निगम ही नहीं, इस महकमे से जुड़े सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दरअसल, इंदौर लगातार भारत के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा हासिल करता रहा है तो इस दुर्घटना ने पूरे प्रकरण को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खी बना दिया। इस दुखद स्थिति के चलते मानवाधिकार आयोग और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करने के लिये बाध्य होना पड़ा। विडंबना यह है कि नागरिकों ने पहले ही दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायत की थी, लेकिन नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये जवाबदेह अधिकारी तब हरकत में आए, जब कई लोगों की जान जा चुकी थी। यहां तक कि इस निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का महकमा आता है, उनकी संवेदनहीन बयानबाजी ने लोगों का आक्रोश बढ़ाया है। हालांकि, तल्ख आलोचना के बाद मंत्री ने खेद जताया है। यहां तक कि इस घटना के बाद मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी वरिष्ठ भाजपा नेत्री उमा भारती ने भी दोषियों से प्रायश्चित करने व दंड देने की मांग की है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कुछ छोटे स्तर के अधिकारियों के निलंबन और स्थानांतरण से इन मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों का प्रायश्चित हो पाएगा ?

लेकिन विडंबना है कि यह समस्या केवल इंदौर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश के छोटे-बड़े शहरों में गाहे-बगाहे दूषित जल आपूर्ति के मामले प्रकाश में आते रहे हैं। दुर्घटना के बाद जांच समितियों का गठन, मुआवजे की घोषणा और कनिष्ठ अधिकारियों का निलंबन मामले में लीपापोती का उपक्रम बन चुका है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरण' के मंत्र पर जोर दिया था। तब उन्होंने प्रक्रियाओं को सरल बनाने और जीवनयापन को सुगम बनाने के लिये प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया था। सवाल है कि जब नागरिकों को स्वच्छ हवा और जल जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रखा जाएगा तो जीवनयापन को सुगम कैसे बनाया जा सकता है? मध्य प्रदेश की दोहरे इंजन वाली सरकार इस मोर्चे पर पूरी तरह से विफल रही है। कोई भी बड़ी योजना व नारा तब तक अर्थहीन है जब तक उन्हें जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई का समर्थन प्राप्त न हो। सर्वोच्च न्यायालय ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार अनुच्छेद-21 के तरह जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। इंदौर की त्रासदी दर्शाती है कि शहरी बुनियादी ढांचे के खराब रखरखाव के कारण इस अधिकार का उल्लंघन कितनी आसानी से हो सकता है।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3760

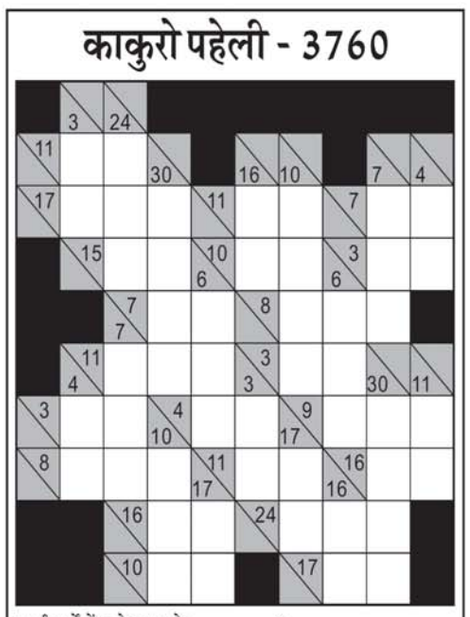

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 3759 का हल

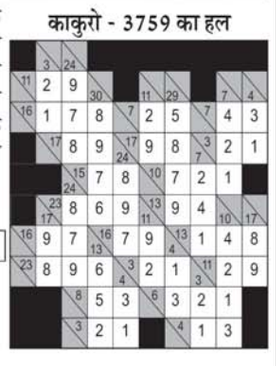

हंसी के फुव्वारें

क्या तुम मुझसे प्रेम करते हो ?
इसमें भी कोई सन्देह है.
'तो क्या तुम मेरे लिए मर भी सकते हो ?'
'नहीं प्रिय यह मेरा अमर प्रेम है.'

एक कुंवारी और कुंवारा घूम रहे थे कि तभी कुंवारी को जोर से खांसी आ गई, कुंवारा बोला-प्रिय तुम्हारे गले के लिए कुछ ले लूं क्या?
हां, वह मोतियों का हार जो सामने की दुकान पर है,कुंवारी बोली.

भगवान से सबकी रक्षा की विनती कर चुकने पर छोटे से मोहन ने कहा-मेहरबानी करके अपनी रक्षा भी करना यदि तुम्हें कुछ हो गया तो हमारा तो नाश हो जायेगा.

मरीज: डॉक्टर साहब, मुझे कब तक कड़वी दवा खानी पड़ेगी ?
डॉक्टर: जब तक मेरा बिल अदा न कर दोगे.

टिकटचेकर: बच्चा, टिकट दिखाओ.
साधु: हम तो साधु हैं, हमें टिकटों से क्या लेना-देना.
टिकटचेकर: तो क्या जिन्होंने टिकट ले रखे हैं वे सब क्या चोर-उचक्के हैं ?

फिल्म वर्ग पहेली - 3760

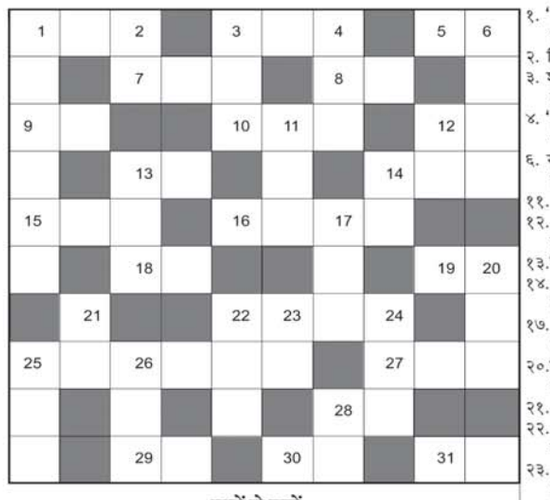

बायें से दायें:-

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा मखना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म-३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या हैं?-२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१२. देवआनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मैं ने तुझसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म-४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, रीनाराय, आशा की फिल्म-२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म-३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म-३
२८. 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी-२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म-२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका-२
३. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, सायरा की फिल्म-३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोड़दे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म-४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-१,२
१२. नसीरूद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म-२
१३.'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया की फिल्म-२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२०.फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी ?-३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था-२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'मझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो और बिपाशा की फिल्म-२
२४. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, वहीदा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म-३
२८.'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3759

आ	शि	क		दी	वा	र		प्रे	म
शि		नै		खी		फू	ल		न
की		या	र	ना		च		र	का
	ख़ा		जा		ट	क	र		मी
जा	न	की	वा	जी		र		अं	त
गृ			बू		ही		दा	दा	
ति	रं	गा		को	र	का	ग	ज	
	ग		आ	ह		ख़			सं
दे		र	जा	र	नी		र	जा	जी
व	क़		द		ना	र	ज		व

सूडोकु -3760

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3759 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली - 3760

बाएँ से दाएँ
1.पदमाकर,कमल सरोवर-5
4.इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6.देवस्थान,मंदिर-2
7.शिव आवास-3
8.उत्तम,सज्जन-2
10.पति,शोहर-3
11.दमकना-4
14.टीस,पीड़ा-3
16.झरने की आवाज-4
17.आशा,इच्छा-2
18.संध्या,शाम-2
19.निराकार,भगवान-4
21.बुझाना,शांति-3
22.अभिप्राय-4
24.आंचल-3
25.घोड़ागाड़ी-2
27.उष्ण-3
28.पिता के पिता-2
29.पंक्ति-3
30.तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे
1.कथा कहने वाला-5
2.चित,जी-2
3.कार्यशाला,यंत्रालय-4
4.माहिर,दक्ष-3
5.आकाश,गगन-2
7.कारावास-2
9.योग्य-3
12.अनुमान,अंदाज-3
13.झगड़ा,कहासुनी-4
15.मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16.पक्षियों का शोर-4
17.राहत, विश्राम -3
18.मुसीबत, आफत -3
20.होशियार, चेतावनी-5
21.नगर-3
22. संजीव कुमार
व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23.मगरमच्छ-3
24.दर,मूल्य-2
26.भूमि,धरती-2
28.पिता के पिता-2

शब्द पहेली -3759 का हल

	बे	मि	सा	ल		प	ह	चा	न	
बे		ल		ह	न	र		क		स
ई	मा	न		लु		व		र	स	म
मा				हा	ज	रि				क
न	क	ष	ज	न		श	य	न	क	क्ष
	म		र				की		हा	
अ	ल	सु	ब	ह		का	न	भ	र	ना
प				म	लि	न				स
रा	श	न		व		ख		स	ला	म
ध		हा		त	रा	जू		री		झ
	स	ना	त	न		रा	ज	पा	ट	

नोएडा प्राधिकरण की 221 बोर्ड बैठक : स्पोर्टस सिटी, सहकारी समिति के बायर्स को राहत

लॉजिस्टिक प्लान, ड्रेनेज में लगेंगे एसीटीपी प्लांट

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण की 221वीं बोर्ड बैठक अवस्थापन एवं औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार की अध्यक्षता बोर्ड रुम में हुई। बैठक में नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम,यमुना विकास प्राधिकरण के सीईओ राकेश कुमार सिंह, एसीईओ ग्रेटरनोएडा सुनिल कुमार सिंह मौजूद रहे। बैठक में 19 एजेंडों पर चर्चा की गई। जिसमें आठ को बोर्ड मेंबरों ने अनुमोदित किया। अधिकांश मामले शासन को भेजे गए।

लीजडीड के लिए आठ सदस्य समिति बनाई

नोएडा में आवासीय सहकारी समितियों में जीपीए के आधार पर कई बार फ्लैट बेचे और खरीदे गए। लेकिन प्राधिकरण से उन फ्लैटों की लीज डीड अब तक नहीं हो सकी। इससे प्राधिकरण को लगातार राजस्व का नुकसान हो रहा है। 10 दिसंबर 2024 को एयर फोर्स नेवल हाउसिंग बोर्ड की ओर से 729 फ्लैट की एक सूची दी गई। जिसमें मूल आवंटी ने बिना लीज डीड कराए फ्लैट बेच दिए। इनकी लीज डीड किसी आधार और शर्त पर की जाए इसके लिए प्राधिकरण बोर्ड ने आठ सदस्यों की एक समिति बना दी है।

समिति में ये होंगे

इस समिति में अपर एसीईओ ग्रुप हाउसिंग को अध्यक्ष बनाया गया।
मुख्य विधि सलाहकार
वित्त नियंत्रक
विशेष कार्य अधिकारी ग्रुप हाउसिंग
एआईजी स्टांप
जीएम नियोजन
महाप्रबंधक सिविल प्रबंधक / सहायक महाप्रबंधक ग्रुप हाउसिंग शामिल है।

ड्रेनो में लगेगा एसटीपी

प्राधिकरण क्षेत्र में विभिन्न ड्रेनों के सुधार एवं सीवरेज पानी को ट्रीट करने के लिए एसटीपी प्लांट लगाए जाने है। ड्रेनों के आसपास उपलब्ध जमीन पर इन प्लांट को लगाया जाए। साथ ही ये प्लांट नई टेक्नोलॉजी और कम खर्चीले हो। इसके लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंट्रेस्ट जारी किया जाए। चयनित

होने वाली कंपनी एसटीपी लगाएगी साथ ही उसका पांच साल तक संचालन करेगी।

किसान कोटे से संबंधित भूखंडों का आवंटन

1976 से अप्रैल 1997 तक नोएडा प्राधिकरण ने जिन किसानों की जमीन अधिगृहीत की। उनके लिए किसान कोटे से आवासीय भूखण्ड योजना 2011-(1) निकाली गई। जिसमें 644 भूखंडों का आवंटन ड्रा के जरिए किया गया।

जबकि आवेदकों की संख्या 2901 थी। ये आवंटन 2021 में किया गया। अब भी 588 आवेदकों के बीच 66 भूखंडों का आवंटन बचा है। ये आवंटन ड्रा के जरिए कराए जाए। इसके लिए नोएडा, ग्रेटरनोएडा और यमुना विकास प्राधिकरण के एसीईओ स्तर की एक समिति का गठन किया गया।

सिटी लॉजिस्टक प्लान के लिए तैयार होगा प्लान

नोएडा में सिटी लॉजिस्टिक प्लान बनाया जाना है। ताकि कंपनियों तक पहुंचने वाले ट्रक बिना जाम के यहां पहुंच सके। इसके लिए एसपीए (स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्ट) नई दिल्ली व आईआईटी, रुड़की ने प्रजेंटेशन कराया गया। प्रजेंटेशन के आधार पर किसी एक कंपनी का चयन करने को कहा गया। ताकि प्लान तैयार कर उसे लागू किया जा सके।

458 बायर्स की रजिस्ट्री का रास्ता साफ

सेक्टर-150 स्थित एससी-02 में बने प्रोजेक्ट में छह टावर (ए-1, ए-2, बी-1, बी-2 , बी-3 व सी-1) गोदरेज ब्रिक राइस के लिए अधिभोग प्रमाण पत्र जारी कर दिया है। ये निर्णय प्राधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के क्रम में लिया। हालांकि प्राधिकरण ने इसके लिए बिल्डर पर कई शर्त भी लगाई है। ये शर्त ब्रोशर के अनुसार निर्माण, सुरक्षा , स्पोर्टस एक्टिविटी, एनजीटी के नियम और टाइम एक्सटेंशन जैसी करीब 20 से ज्यादा शर्त है।

इसके अलावा स्पोर्टस सिटी एससी-02 सेक्टर-150 में सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार कार्यवाही करने के बोर्ड द्वारा निर्देश दिया गया।

यूनीफाइड पॉलिसी में संशोधन

तीनों प्राधिकरण में कामर्शियल, संस्थागत और इंडस्ट्री में आवंटन की प्रक्रिया को एक सामान बनाने के लिए यूनीफाइड रेगुलेशन 2025 को लाया गया। जिसमें कुछ आंशिक संशोधन किया जाना है। इस संशोधन को लेकर बोर्ड तैयार है। संशोधन के बाद पॉलिसी को लागू कर दिया जाएगा।

बिल्डर ने जमा किए 872 करोड़

अमिताभ कांत की सिफारिश के तहत 57 परियोजनाओं में से 31 दिसंबर 2025 तक 36 परियोजनाओं ने इसका लाभ लिया। जो कि कुल डेवलपर्स का करीब 60 प्रतिशत हिस्सा है। इसमें 4 ऐसी परियोजनाएं है जिनके द्वारा अपनी सहमति के बाद भी भुगतान नहीं किया गया।

11 ऐसे डेवलपर है जिनके द्वारा 25 प्रतिशत धनराशि के सापेक्ष आंशिक धनराशि जमा करायी गयी एवं 36 ऐसे डेवलपर है जिनके द्वारा 25 प्रतिशत धनराशि जमा कराए जाने के बाद कोई भी भुगतान नहीं किया गया।

कुल 872.12 करोड़ की धनराशि प्राधिकरण में जमा कराई गई। जिससे 6855 फ्लैट बायर्स के पक्ष में रजिस्ट्री हो सकती है।

अब तक 4134 फ्लैट बायर्स की रजिस्ट्री की जा चुकी हैं। बोर्ड ने रजिस्ट्री कराने का निर्देश दिया।

अवैध संबंधों के शक में हत्या

पुलिस ने किया ब्लाइंड मर्डर का 24 घंटे में खुलासा, 3 गिरफ्तार

नोएडा। वकार सैफी। थाना सेक्टर-126 नोएडा पुलिस ने एक ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा करते हुए हत्या में शामिल दो मुख्य अभियुक्तों और शव को ठिकाने लगाने में मदद करने वाले एक साथी को गिरफ्तार कर लिया है। यह पूरी घटना अवैध संबंधों के शक और पारिवारिक विवाद से जुड़ी है। बता दे कि पुलिस कि गिरफ्त में खड़े राम वचन मांझी, साजन मांझी उर्फ सज्जन, अशोक को इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और बीट पुलिसिंग की मदद से थाना सेक्टर-126 पुलिस ने महज 24 घंटे के असगरपुरपुर साए रायपुर के पुश्ते से गिरफ्तार किया है। डीसीपी नोएडा ने बताया कि, 2 जनवरी रजनी ने अपने पति अजय मुखिया की हत्या के संबंध

में थाना सेक्टर-126 में शिकायत दर्ज कराई थी। जांच में सामने आया कि मुख्य अभियुक्त राम वचन मांझी को शक था कि मृतक अजय के उसकी पत्नी के साथ अवैध संबंध हैं। इसी विवाद के चलते राम वचन ने अपने रिश्तेदार साजन मांझी के साथ मिलकर अजय को रास्ते से हटाने की साजिश रची। डीसीपी नोएडा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि अजय मुखिया को उन्होंने ने 28 दिसंबर 2025 को अजय को शराब पीने के बहाने रायपुर क्षेत्र में बुलाया, साजन और राम वचन उसे असगरपुर ले गए, जहाँ उसे अत्यधिक शराब पिलाई गई। नशे की हालत में उसे ई-रिक्शा से सुनसान पुश्ता क्षेत्र में ले जाया गया, जहाँ अजय का गला और मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी गई। आरोपियों ने पहले शव को मिट्टी में छिपा दिया। अगले दिन उन्होंने अपने परिचित अशोक को शामिल किया और शव को प्लास्टिक के कट्टे में बांधकर ई-रिक्शा के जरिए पुश्ता रोड पर एक गहरे नाले में फेंक दिया और पकड़े जाने से बचने के लिए आरोपी अजय की तलाश करने का ढोंग भी करते रहे। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल किया गया ई-रिक्शा, मृतक अजय का मोबाइल फोन और एटीएम कार्ड बरामद कर लिया है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया गया है।

जेवर टोल प्लाजा पर यातायात पुलिस का अभियान

कोहरे में सुरक्षित ड्राइविंग के लिए सलाह दी

जेवर। ग्रेटर नोएडा के जेवर क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे स्थित टोल प्लाजा पर शनिवार को यातायात विभाग और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रूप से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बढ़ते सड़क हादसों को रोकना और वाहन चालकों को सुरक्षित यात्रा के प्रति जागरूक करना था।

पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों को कोहरे के मौसम में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि घने कोहरे के कारण दृश्यता कम हो जाती है, ऐसे में तेज गति से वाहन चलाना खतरनाक हो सकता है। अधिकारियों ने निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, सुरक्षित दूरी बनाए रखने और फॉग लाइट का सही उपयोग करने के निर्देश दिए। अभियान के दौरान वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाने की अहमियत भी समझाई गई, ताकि कोहरे में दूर से ही वाहन दिखाई दे सकें। पुलिस ने यह भी बताया कि जल्द ही वे स्वयं भी वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाएंगे।

इसके अतिरिक्त, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चला रहे लोगों को रोककर उन्हें जागरूक किया गया। अधिकारियों ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में सिर में लगने वाली चोटें गंभीर क्षति और मृत्यु का एक प्रमुख कारण होती हैं, जिसे हेलमेट पहनकर काफी हद तक रोका जा सकता है।

थाना इकोटेक थ्री पुलिस ने मुठभेड़ के उपरांत एक बदमाश को किया गिरफ्तार

सोनू शर्मा विशाल इण्डिया

ग्रेटर नोएडा। थाना ईकोटेक थ्री पुलिस ने मुठभेड़ के उपरांत एक शातिर बदमाश अजय नाथ पुत्र महिपाल नाथ निवासी ग्राम बिसरख थाना बिसरख गौतमबुद्धनगर को हबीबपुर वाले रास्ते से शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मुठभेड़ में उपरोक्त अभियुक्त गोली लगने से घायल हो गया।जिसे पुलिस द्वारा उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने चोरी की एक मोटरसाइकिल टीवीएस स्पोर्ट्स, एक लाल मिर्च का पैकेट और एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय एक कारतूस जिन्दा बरामद किया है।मिली जानकारी के अनुसार थाना इकोटेक थ्री पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र के बिजली घर जलपुरा के पास शुक्रवार को चेकिंग की जा रही थी। तभी पुलिस टीम को एक मोटरसाइकिल पर सवार एक संदिग्ध युवक आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस टीम द्वारा उपरोक्त युवक को रूकने का इशारा किया गया तो मोटरसाइकिल सवार युवक रुकने के बजाय मोटरसाइकिल को तेज गति से चलाते हुए हबीबपुर की तरफ भागने लगा। पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर उपरोक्त युवक की मोटरसाइकिल फिसलकर गिर गई। जिस पर मोटरसाइकिल सवार युवक द्वारा स्वयं को घिरता हुआ देखकर पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की गयी। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गयी जवाबी कार्यवाही में अभियुक्त पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

अस्पतालों में मरीजों की संख्या घटी

नोएडा। जिला अस्पताल सहित अन्य सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या में कमी आई है। शनिवार को छुट्टी के कारण जिला अस्साल ओपीडी में कम मरीज आए। वहीं आपातकालीन और आईसीयू में भी मरीजों की संख्या पिछले एक हफ्ते से कम हुई है। जिला अस्पताल के आपातकालीन विभाग में सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक 56 मरीज इलाज के लिए आए, जिसमें पेट, सांस, दुर्घटना में घायल मरीजों की संख्या अधिक रही। वहीं आईसीयू में चार मरीजों का इलाज चल रहा है। हजरत अली जयंती की छुट्टी के कारण जिला अस्पताल की ओपीडी 11 बजे तक चली। ओपीडी में 1012 मरीजों ने इलाज कराया। इन मरीजों में ठंड से प्रभावितों की संख्या अधिक थी।

वाहन चोरी करने वाले तीन अभियुक्त गिरफ्तार

सोनू शर्मा विशाल इण्डिया

नोएडा। थाना सेक्टर-113 पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले तीन अभियुक्तों लोकेश नागर पुत्र भगत सिंह निवासी गांव तिगांव थाना तिगांव जिला फरीदाबाद, अरुण भारद्वाज पुत्र स्वर्गीय शिवदत्त भारद्वाज निवासी कनिष्क टावर थाना सेक्टर-37 फरीदाबाद, अमित नागर पुत्र स्वर्गीय संजय नागर निवासी गांव तिगांव थाना तिगांव जिला फरीदाबाद को पर्थला डूब क्षेत्र कब्रिस्तान सर्विस रोड़ पर थाना सेक्टर-113 नोएडा से शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने चोरी की एक कार टाटा नेक्सोन कार बिना नंबर और कार की एक चाबी बरामद की है।अभियुक्त अरूण फाइंसेस पर सैकेंड हैंड कार बिकवाता था। फिर उनकी किस्त तुड़वाकर सस्ते दामों पर

बैंक से सेटल करवा लेता था। इससे महंगी गाड़ी सस्ते में मिल जाती थी और फिर अभियुक्त उस गाड़ी को आगे बेच देता था। अभियुक्त द्वारा वादी को कार बेचने के दौरान ही उस कार की डुप्लीकेट चाबी बना ली गयी थी व कार में जीपीएस लगा दिया गया था। कार बेचने के उपरान्त कार ट्रांसफर होने से पहले ही अपने साथी लोकेश व अमित से कार को चोरी करवा लिया गया था। उक्त कार पर फाइनेंस भी तथा अभियुक्त अरूण(डीलर) वादी से गाड़ी के पूरे पैसे प्राप्त कर चुका था। अभियुक्त गाड़ी को चोरी करवा कर फर्जी प्रपत्र तैयार कर दोबारा अन्य किसी को बेचना चाहता थे। अभियुक्तगण शातिर किस्म के अपराधी है।जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

नोएडा में अवैध खनन में 33 वाहन जब्त

12.39 लाख का लगाया गया जुर्माना, निरीक्षण के दौरान मिले सबूत

नोएडा। यमुना नदी में अवैध खनन करने पर जिला प्रशासन ने सख्त एक्शन लिया है। जिला खनन अधिकारी उत्कर्ष त्रिपाठी ने बताया कि दिसंबर 2025 के दौरान जेवर, दादरी, दनकौर, कासना सहित विभिन्न क्षेत्रों में अवैध खनन कर परिवहन करते हुए पाए जाने पर 33 वाहनों को जब्त किया गया। इसमें कुल 12 लाख 39 हजार 730 का जुर्माना लगाया गया। दरअसल तीन दिन पहले नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम भी यमुना से जुड़े सेक्टरों का निरीक्षण कर रहे थे। इस दौरान एक्सप्रेस वे के पास पर उन्हे काफी ट्रक खड़े दिखे। जिसमें बालू भरी थी। सीईओ ने संबंधित अधिकारियों को इस पर एक्शन लेने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में डिप्टी कलेक्टर गौतम बुद्ध नगर, तहसीलदार दादरी एवं खान अधिकारी गौतम बुद्ध नगर द्वारा ग्राम रायपुर खादर, तहसील दादरी, जनपद गौतम बुद्ध नगर में स्थित खनन पट्टा क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान नदी की जलधारा में अवैध खनन के सबूत मिले। साथ ही 05 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया और एफआईआर दर्ज कराई गई।

घर पर अवैध कब्जे का आरोप

नोएडा। सेक्टर-58 थाना पुलिस ने बुजुर्ग ने महिला समेत दो लोगों पर घर पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-56 निवासी बुजुर्ग महिला ने योगेश कुमारी ने अदालत को बताया कि वह पति महेंद्र सिंह के साथ रहती हैं। दोनों 70 वर्ष से अधिक उम्र के हैं। 21 अक्तूबर को दीपावली के मौके पर सेक्टर-56 स्थित घर पर पहुंचीं।

दनकौर में अवैध ऑटो स्टैंड से जाम की समस्या

मेन रोड पर खड़ी रहती हैं गाड़ियां, चालकों की दबंगई से लोग परेशान

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे में बिहारी चौक के पास एक अवैध ऑटो स्टैंड स्थानीय लोगों के लिए गंभीर समस्या बन गया है। ऑटो चालक तिराहे पर कब्जा किए हुए हैं, जिससे पूरे क्षेत्र की यातायात व्यवस्था बाधित हो रही है। इस स्थान से सैकड़ों ऑटो ग्रेटर नोएडा के परी चौक, कासना, तुगलपुर और जगत फार्म जैसे प्रमुख गंतव्यों के लिए संचालित होते हैं।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि कोई निर्धारित ऑटो स्टैंड न होने के कारण ऑटो चालक मुख्य सड़क पर वाहन खड़ा कर देते हैं।

सुबह और शाम के समय जाम लग जाता है, और कई बार स्थिति इतनी बिगड़ जाती है कि ऑटो चालक अन्य वाहन चालकों से भी भिड़ जाते हैं, जिससे आम लोगों में भय का माहौल बनता है।

निवासियों ने बताया कि उन्होंने कई बार स्थानीय पुलिस को शिकायत

की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस की कथित अनदेखी के कारण ऑटो चालकों के हौसले बढ़ रहे हैं और उनकी मनमानी लगातार बढ़ रही है।

मुख्य सड़क पर जाम से स्कूली बच्चे, बुजुर्ग और कार्यालय जाने वाले लोग परेशान हो रहे हैं। एम्बुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहनों को भी रास्ता मिलने में कठिनाई होती है।

अब स्थानीय लोग इस मामले की शिकायत पुलिस कमिश्नर से करने का निर्णय कर चुके हैं, ताकि अवैध ऑटो स्टैंड हटाकर यातायात व्यवस्था सुचारु की जा सके और जनता को राहत मिल सके।

ग्रेनो में कचरा निस्तारण के लिए चार संयंत्र लगेंगे

ग्रेटर नोएडा। जैविक, उद्यानिक, इलेक्ट्रॉनिक सहित सभी तरह के कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करने के लिए चार आधुनिक संयंत्र लगाए जाएंगे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। प्राधिकरण ने एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) जारी कर विशेषज्ञ कंपनियों से सुझाव और आवेदन मांगें हैं। कंपनियों द्वारा प्रस्तुत किए गए मॉडल का अध्ययन करने के बाद निविदा जारी की जाएगी। योजना के मुताबिक जैविक कचरे (बायो डिग्रेडेबल) को आधुनिक तरीके से प्रोसेस कर उससे बायो सीएनजी गैस बनाई जाएगी। क्षेत्र के अस्तौली में 300 टीपीडी (टन प्रतिदिन) क्षमता का संयंत्र लगाया जाएगा। इसमें रुचि दिखाने वाली कंपनियों के सुझावों और प्रस्ताव के आधार पर आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।संयंत्र का निर्माण बीओटी (बिल्ड, ऑपरेट एंड ट्रांसफर) या पीपीपी मॉडल पर किया जा सकता है। इससे होने वाली कमाई में प्राधिकरण की भी हिस्सेदारी होगी। जैविक कचरे में फलों के छिलके, सब्जी के टुकड़े, खाद्य पदार्थ के टुकड़े आदि शामिल हैं। अस्तौली में बन रहे कूड़ा निस्तारण केंद्र परिसर में एनटीपीसी और रिलायंस जैसी कंपनियों को भी भूखंड आवंटित किए गए हैं। एनटीपीसी द्वारा संयंत्र स्थापित किया जा रहा है। बायो गैस संयंत्र लगाया जाएगा पौवारी स्थित गोशाला में बायो गैस संयंत्र लगाया जाएगा। इस संयंत्र की क्षमता 50 टीपीडी होगी।

गाय के गोबर और अन्य जैविक कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जाएगा। गोबर और अन्य अपशिष्ट को प्रोसेस करने से प्राप्त बायो गैस को बेचने से होने वाली कमाई को गोशालाओं के रखरखाव पर खर्च किया जाएगा।

शार्ट न्यूज

ओटीएस का दूसरा चरण आज से लागू

नोएडा। विद्युत निगम की एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) का पहला चरण में तीन दिनों का अतिरिक्त समय देने के बाद शनिवार को समाप्त हो गया। पहले चरण में 15 हजार बकायेदारों ने पंजीकरण कराया। वहीं, योजना का दूसरा चरण रविवार से लागू होगा। विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता (वाणिज्यिक) रितेश आनंद ने बताया कि ओटीएस का पहला चरण 31 दिसंबर को समाप्त हो गया था, लेकिन बकायेदारों की मांग पर चरण के तीन दिन और बढ़ाए थे। अब पहले चरण का अंतिम दिन शनिवार को भी जिले में 24 से अधिक स्थानों पर शिविर लगाए गए। पहले चरण में 15 हजार बकायेदारों ने पंजीकरण कराया है इन उपभोक्ताओं ने करीब 33 करोड़ रुपये का राजस्व जमा किया है। वहीं, बिजली चोरी के प्रकरण में संलिप्त 1500 उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ उठाते हुए चार करोड़ रुपये का राजस्व जमा किया है। शनिवार को लगाए गए शिविरों का उन्होंने टीम के के साथ निरीक्षण किया और उपभोक्ताओं को योजना के तहत पंजीकरण कराने के लिए प्रोत्साहित किया।

सोसाइटी में रखरखाव शुल्क बढ़ाने का विरोध

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित गौर सिटी-दो की 14 एवेन्यू सोसाइटी में प्रबंधन द्वारा रखरखाव शुल्क में वृद्धि करने पर लोगों द्वारा नाराजगी जताई जा रही है। आरोप है कि सोसाइटी में सुविधाओं का अभाव है लेकिन प्रबंधन ने रखरखाव शुल्क में नए साल से वृद्धि कर दी गई। सोसाइटी में रहने वाले अजय, अनिल, अरविंद, रामवीर सिंह चौहान, संजीव ने बताया कि सोसाइटी में 20 टावर में करीब 4,800 फ्लैट बने हुए हैं, जिनमें करीब 3,500 से अधिक परिवार रहते हैं। बिल्डर प्रबंधन द्वारा लोगों की सुविधाओं में लगातार कटौती की जा रही। वहीं, अब एक जनवरी से रखरखाव शुल्क बढ़ा दिया है।शुल्क बढ़ाने का जब प्रस्ताव रखा गया था तो लोगों ने इसका विरोध भी जताया था। इसके बाद भी प्रबंधन ने शुल्क बढ़ा दिया। लोगों का कहना है कि मामले को लेकर जल्द बैठक कर प्रदर्शन किया जाएगा। वही, इस मामले में मेंटेनेंस हेड अभय से संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

नामी कंपनी का फर्जी टैग लगे लाखों के कपड़े जब्त

नोएडा। मॉल के अंदर दुकान में नामी कंपनियों के फर्जी टैग और लेबल लगाकर कपड़े बेचने का खुलासा हुआ। पुलिस ने छापेमारी के दौरान लाखों के फर्जी लेबल और टैग लगे कपड़े जब्त किए । दुकान के मालिक और उसके सहयोगी के खिलाफ केस दर्ज किया। बिहार के दरभंगा निवासी दीपक राम ने पुलिस को बताया कि वह यूनाइटेड यूनाइटेड कंपनी में फील्ड ऑफिसर हैं। दीपक पोलो, जॉर्डन और नाइक समेत अन्य नामी कंपनियों के अधिकृत प्रतिनिधि हैं। बीते दिनों उन्हें सूचना मिली कि सेक्टर-75 स्थित स्पेक्ट्रम मेट्रो मॉल में फहर फैशन हब नाम की दुकान पर नामी कंपनियों के फर्जी टैग लगाकर कपड़े बेचे जा रहे हैं।पुलिस टीम के साथ मिलकर शिकायतकर्ता ने दुकान पर छापेमारी की तो वहां नामी कंपनियों के टैग लगे हुए भारी संख्या में कपड़े और जैकेट बरामद हुई। इसकी पूरी वीडियोग्राफी कराई गई। बरामद सामान को टीम ने अपने कब्जे में लिया। इस मामले में थाने में दुकान के मालिक फारुख अहमद और सहयोगी नौशाद के खिलाफ केस दर्ज हुआ है।

बेकाबू कार चालक ने चार वाहनों को टक्कर मारी

ग्रेटर नोएडा। ईकोटेक तीन कोतवाली क्षेत्र में एक बेकाबू कार के चालक ने ऑटो समेत चार वाहनों में टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो चालक घायल हुआ है। वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक ऑटो चालक लटूरी सिंह की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़ित ने बताया कि वह शुक्रवार को एक कंपनी के सामने खड़े होकर सवारियों का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार कार के चालक ने उनके ऑटो में टक्कर मार दी।इससे वह घायल हो गए। हादसे के बाद कार सवार ने मौके से भागने का प्रयास किया। हड़बड़ाहट में आरोपी ने तीन अन्य वाहनों में टक्कर मारी दी। टक्कर लगने से ऑटो, दो कार और एक बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। इस दौरान मौके पर अफरातफरी मच गई। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। ईकोटेक तीन कोतवाली प्रभारी ने बताया कि फेस दो निवासी अजय को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी शराब के नशे में धुत था। नशे में उसने कई वाहनों को टक्कर मारी है।

ग्रेटर नोएडा में बुलेरो ने बाइक सवार को टक्कर मारी : युवक की मौत

जेवर। ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेसवे पर एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। तेज रफ्तार बुलेरो गाड़ी ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी थी। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां शनिवार शाम उसने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान रबूपुरा कोतवाली के गांव नगला हुकमसिंह निवासी 23 वर्षीय संजीत पुत्र रतनलाल के रूप में हुई है। संजीत नोएडा फेस टू स्थित एक निजी कंपनी में कार्यरत था और रोजाना अपनी बाइक से ड्यूटी पर आता-जाता था। यह हादसा शुक्रवार रात उस समय हुआ जब संजीत अपनी ड्यूटी खत्म कर यमुना एक्सप्रेसवे से गांव लौट रहा था। जीरो प्वाइंट से 23 किलोमीटर दूर गांव मोहम्दाबाद खेड़ा के पास पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार बुलेरो गाड़ी ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी चालक गाड़ी समेत मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे और घायल संजीत को अस्पताल में भर्ती कराया। रबूपुरा कोतवाली पुलिस ने बताया कि आरोपी ड्राइवर को घटना के कुछ देर बाद ही जेवर टोल प्लाजा से गिरफ्तार कर लिया गया है।

व्यापारी से एक दर्जन लोगों ने की मारपीट

दादरी। दादरी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे रोड पर एक इलेक्ट्रॉनिक व्यापारी के साथ मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है बताया जा रहा है कि एक दर्जन से अधिक युवकों ने दुकान में घुसकर व्यापारी के साथ मारपीट कर दी। दुकान में रखे इलेक्ट्रॉनिक्स के समान को तोड़ दिया । व्यापारी ने घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी है पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। व्यापारी हिमांशु गोयल नगर के रेलवे रोड मयंक इलेक्ट्रॉनिक के नाम से रेलवे रोड पर दुकान करता है। हिमांशु गोयल ने दादरी कोतवाली पुलिस पुलिस को शिकायत दी थी कि करीब तीन माह पूर्व नई आबादी मोहल्ले के रहने वाले दिलशाद ने उसकी दुकान से डिश टीवी खरीदी थी गति 1 जनवरी को दिलशाद दुकान पर आया और डिश टीवी को खराब बता कर वापस करने की मांग करने लगा ।जब उसे इसकी गारंटी न होने पर वापस करने से इनकार कर दिया तो कुछ देर बाद दिलशाद एक दर्जन से अधिक लोगों को लेकर दुकान पर पहुंच गया। सभी ने व्यापारी से मारपीट कर दुकान में तोड़फोड़ शुरू कर दी। अब पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तीन मंजिल हटाने का आदेश बरकरार

ग्रेटर नोएडा। जिला न्यायालय ने सूरजपुर कस्बे की एक कॉलोनी में पांच मंजिला भवन को लेकर चल रहे विवाद में भवन मालिक ओमप्रकाश चौधरी की याचिका को खारिज करते हुए कार्यपालक मजिस्ट्रेट के आदेश को सही ठहराया है। कोर्ट ने साफ किया कि भवन के ऊपरी तीन मंजिल हटाने का आदेश पूरी तरह सही है। अदालत ने माना कि भवन की स्थिति असुरक्षित है और इसके गिरने की आशंका से आसपास रहने वाले लोगों और रास्ते से गुजरने वालों की जान-माल को खतरा हो सकता है। सूरजपुर की एक कॉलोनी में पांच मंजिला भवन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है।पड़ोस में रहने वाली प्रियंका सिंह ने प्रशासन से शिकायत करते हुए बताया कि उनके मकान के पास बन रहा यह भवन अवैध है और इसकी वजह से आसपास के मकानों में दरारें आ रही हैं। साथ ही आशंका जताई गई कि भवन की स्थिति कमजोर है और इसके गिरने से लोगों की जान-माल को खतरा हो सकता है। शिकायत के बाद पुलिस और प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया। सूरजपुर पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर कार्यपालक मजिस्ट्रेट व अपर पुलिस उपायुक्त सेंट्रल नोएडा ने धारा 133 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत कार्रवाई शुरू की।

पीलीभीत में गन्ना पेराई, खरीद और भुगतान को मिली रफ्तार, 1.16 लाख किसानों को बड़ी राहत

पीलीभीत। जनपद में गन्ना पेराई सत्र को सुचारू, पारदर्शी और किसान हितैषी बनाने की दिशा में गन्ना विभाग की सक्रियता स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है। जिला गन्ना अधिकारी खुशी राम भार्गव के नेतृत्व में गन्ना खरीद, पेराई और भुगतान व्यवस्था लगातार मजबूती पकड़ रही है। इसी क्रम में गन्ना भवन पीलीभीत में गन्ना क्रियान्वयन समिति (सीआईसी) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले की गन्ना व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में बताया गया कि जनपद की चारों चीनी मिलें पूर्ण क्षमता के साथ गन्ना पेराई का कार्य कर रही हैं। वर्तमान में प्रतिदिन औसतन 2 लाख 09 हजार कुंतल गन्ना खरीदा जा रहा है। अब तक 1.16 लाख गन्ना किसानों से कुल 106.90 लाख कुंतल गन्ना खरीद की जा चुकी है, जो विभाग और चीनी मिलों के बेहतर समन्वय का परिणाम माना जा रहा है।

मिलवार खरीद की स्थिति पर नजर डालें तो पीलीभीत चीनी मिल द्वारा 64.01 लाख कुंतल, बरखेड़ा चीनी मिल द्वारा 26.74 लाख कुंतल, बीसलपुर चीनी मिल द्वारा 7.10 लाख कुंतल तथा पूरनपुर चीनी मिल द्वारा 8.15 लाख कुंतल गन्ना खरीदा जा चुका है। जिला गन्ना अधिकारी ने सभी मिल प्रबंधन को निर्देश दिए कि शासन के निर्देशों के अनुरूप पारदर्शी, समयबद्ध और किसान हित में गन्ना खरीद सुनिश्चित की जाए।

भुगतान की स्थिति को लेकर भी बैठक में संतोषजनक तस्वीर सामने आई। जिला गन्ना अधिकारी ने बताया कि पीलीभीत चीनी मिल द्वारा 24 दिसंबर 2025 तक खरीदे गए गन्ने का 210.36 करोड़ रुपये किसानों के खातों में भेजा जा चुका है। वहीं बीसलपुर चीनी मिल ने 7 दिसंबर 2025 तक खरीदे गए गन्ने का 8.02 करोड़ रुपये तथा पूरनपुर चीनी मिल ने 2 दिसंबर 2025 तक खरीदे गए गन्ने का 9.50 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया है। इस प्रकार जनपद की तीन चीनी मिलों द्वारा अब तक 227.08 करोड़ रुपये का भुगतान 79,972 किसानों के खातों में सीधे पहुंचाया जा चुका है।

बैठक में पारदर्शिता को और मजबूत करने के उद्देश्य से चारों चीनी मिलों के 232 तौल लिपिकों का पाक्षिक स्थानांतरण ऑनलाइन लॉटरी सिस्टम के माध्यम से किया गया। जिला गन्ना अधिकारी ने स्पष्ट किया कि तौल कार्य केवल ऑनलाइन लॉटरी से नियुक्त तौल लिपिकों द्वारा ही कराया जाएगा। किसी भी प्रकार की मैन्युअल नियुक्ति या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इसके साथ ही सभी गन्ना समिति सचिवों और ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षकों को निर्देश दिए गए कि वे क्रय केंद्रों का नियमित निरीक्षण करें। क्रय केंद्रों पर पेयजल, पशुओं के लिए नाद, मानक बाट, छाया और अन्य मूलभूत सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहें।

किसानों की सुविधा में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

बैठक के अंत में जिला गन्ना अधिकारी खुशी राम भार्गव ने सभी अधिकारियों और चीनी मिल प्रबंधन से आपसी समन्वय बनाए रखते हुए गन्ना पेराई सत्र को सफल बनाने और किसानों को समय से भुगतान सुनिश्चित कराने की अपील की। किसानों के हितों की रक्षा को विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया गया।

शार्ट न्यूज

अस्पताल की दूसरी मंजिल से कूदा मरीज, मौत

मेरठ। मेरठ में शुक्रवार रात एक अस्पताल की दूसरी मंजिल से मरीज कूद गया। इससे उसकी मौत हो गई है। मरीज को तीन दिन पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसे खून की कमी थी। मरीज की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। मामला गढ़ रोड स्थित लोकप्रिय अस्पताल का है। अस्पताल मेरठ शहर का नामचीन और पुराना है। इसके संचालक सुभारती यूनिवर्सिटी ग्रुप से हैं। मृतक की पत्नी का आरोप है कि स्टाफ ने मेरे पति को नीचे फेंक दिया। इससे उनकी मौत हुई है। वह अब इस जिद पर अड़ी है कि जिस हालत में मैंने अपने पति को अस्पताल में भर्ती कराया था, उसी हालत में वापस दो। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची है। छानबीन जारी है। पूरा मामला मेरठ के नौचंदी थाना क्षेत्र का है। परिवार मूल रूप से पहाड़ों का रहने वाला है। लेकिन 15 सालों से यहीं मेरठ के जेलचुंगी में रह रहा है। संजय इंवरटर कंपनी में काम करता था। काफी समय से जॉब के कारण मेरठ के जेलचुंगी डाकखाने के पास में रह रहा था। पत्नी का नाम ज्योति है। एक बेटा शुभांक चौधरी है। संजय का हीमोग्लोबिन कम था, इसलिए बुधवार को गढ़ रोड स्थित लोकप्रिय अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

किशोरी को मारकर लाश नाले में फेंकी

अयोध्या। अयोध्या में शनिवार को दिनदहाड़े 17 साल की नाबालिग किशोरी की हत्या कर दी गई। किशोरी का शव झाड़ियों के बीच रेलवे लाइन किनारे नाले में पड़ा था। शव देखकर आसपास से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नाले से बाहर निकलवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। शव को आपत्तिजनक स्थिति में देखकर पुलिस ने दुष्कर्म की आशंका जताई है। किशोरी के कपड़े फटे हुए थे, जबकि दुपट्टा शव से कुछ दूरी पर पड़ा मिला। गले के पास भी निशान पाए गए हैं, जिससे प्रतीत होता है कि पहले किशोरी के साथ जबरदस्ती की गई और उसके बाद उसकी हत्या कर दी गई। घटना पोस्टमॉर्टम हाउस के सामने रेलवे लाइन के किनारे हुई। पुलिस का कहना है कि मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 3 बजे किशोरी अपने घर से लकड़ी लाने के लिए निकली थी। इसी दौरान पोस्टमॉर्टम हाउस के सामने रेलवे लाइन के किनारे झाड़ियों में वारदात को अंजाम दिया गया। किशोरी के पिता कचहरी में मुंशी का काम करते हैं। इसके अलावा सुबह-शाम एक होटल में खाना भी बनाते हैं।

यातायात पुलिस का विशेष चेकिंग अभियान

मैनपुरी। सड़क सुरक्षा और दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से मैनपुरी यातायात पुलिस ने एक विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान कुल 290 वाहनों के चालान काटे गए और 2,90,000 रुपये का जुर्माना वसूला गया। इस अभियान का संचालन पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा के निर्देश पर किया गया। अभियान में अपर पुलिस अधीक्षक नगर/यातायात अरुण कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक यातायात दीपशिखा सिंह और यातायात प्रभारी सुनील कुमार सिंह अपनी टीम के साथ शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि कुल 290 चालानों में से 105 चालान हेलमेट न पहनने और तीन सवारियों के नियमों के उल्लंघन पर काटे गए। शेष 185 चालान अन्य यातायात नियमों जैसे ओवरस्पीडिंग, गलत पार्किंग, लाल बत्ती उल्लंघन और काली फिल्म लगे वाहनों पर कार्रवाई के तहत काटे गए। विशेष अभियान में पुलिस ने काली फिल्म लगे वाहनों की भी अलग से जांच की। ऐसे वाहनों पर विशेष नजर रखी गई क्योंकि इनसे दुर्घटना की आशंका अधिक होती है।

फतेहपुर में निर्माणाधीन मकान की छत गिरी

खागा। फतेहपुर जिले में एक निर्माणाधीन मकान की छत ढह गई। सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के प्रेमनगर कस्बे में शनिवार शाम यह हादसा हुआ, जिसमें करीब 6000 वर्ग फीट निर्माणाधीन एक मकान का लिंटर एक स्थान से गिर गया। घटना के समय दर्जनों मजदूर काम कर रहे थे, जो कूदकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। यह घटना प्रेमनगर कस्बे में टावर के आगे दावतपुर मोड़ से पहले एक निर्माणाधीन मकान में हुई। छत (लिंटर) डालने का काम चल रहा था, जिसमें तीन मिक्सर मशीनें लगी हुई थीं। शाम लगभग 4 बजे अचानक शटरिंग की बल्लियां टूट गईं, जिससे जाल सहित पूरी छत भरभराकर नीचे गिर गई। छत गिरने के साथ ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग जोर-जोर से चिल्लाने लगे। मजदूरों ने अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागना शुरू कर दिया और कूद-फांदकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचे। मकान मालिक ने बताया कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है, लेकिन लाखों रुपये की निर्माण सामग्री का नुकसान हुआ है। थाना प्रभारी तेज बहादुर सिंह ने घटना की पुष्टि की।

पानी से भरे गड्ढे में डूबने से बच्चे की मौत

बाराबंकी। बाराबंकी में तहसील परिसर में पानी भरे गड्ढे में डूबने से 12 साल के बच्चे की मौत हो गई। वह घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान फिसलकर गड्ढे में जा गिरा। परिजन उसको तलाश करते हुए गड्ढे के पास पहुंचे तो शव उतराता मिला। इसके बाद उसे बाहर निकालकर अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा बच्चा सेप्टिक टैंक में गिर गया था। हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। मामला सिरौली गौसपुर तहसील परिसर का है। तहसील में कंप्यूटर ऑपरेटर विक्रम मौर्या के दो बेटे हैं। इनमें बड़ा बेटा अथर्व (12) कक्षा 4 में पढ़ता है। उसका एक डेढ़ साल का भाई भी है। परिवार तहसील परिसर में बने सरकारी आवास में रहता है। शनिवार दोपहर ढाई बजे अथर्व तहसील परिसर में खेल रहा था। इसी दौरान वह फिसलकर परिसर में मौजूद पानी से भरे एक गड्ढे में जा गिरा। गड्ढे में डूबने के कारण उसकी मौत हो गई। परिजन अथर्व को सिरौली गौसपुर स्थित 100 शैय्यायुक्त संयुक्त यहां ले गए। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

गोमती नदी पर बनेगा स्माइलिंग ब्रिज

लखनऊ। लखनऊ की गोमती नदी पर प्रस्तावित पेडेस्ट्रियन ब्रिज के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। 54 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 180 मीटर लंबे इस ब्रिज को शासन की मंजूरी मिल गई है। 'मुस्कुराइए कि आप लखनऊ में हैं' की थीम पर तैयार होने वाला यह स्माइलिंग ब्रिज गोमती नगर के रिवर फ्रंट के दोनों किनारों को जोड़ते हुए शहर की खूबसूरती में इजाफा करेगा। एलडीए अधिकारियों के अनुसार पेडेस्ट्रियन ब्रिज का निर्माण कार्य 18 महीने में पूरा किया जाएगा। परियोजना के लिए शासन ने पहली किश्त के तौर पर 18.90 करोड़ रुपए की धनराशि भी जारी कर दी है। यह ब्रिज एडीसीपी ऑफिस के पास बनाया जाएगा, जिससे गोमती रिवर फ्रंट के दोनों ओर आने-जाने में लोगों को सुविधा मिलेगी। डिजाइन प्रतियोगिता में ज्यूरी पैनल ने मुंबई की संस्था 'आरवैम्प स्टूडियो' की डिजाइन को चयनित किया है। इसी डिजाइन के आधार पर गोमती नदी पर पेडेस्ट्रियन ब्रिज का निर्माण कराया जाएगा। ब्रिज के बनने से गोमती के दाहिने किनारे विकसित होंगे।

जर्जर सड़कों ने छीनी शहर की रफ्तार, नकटा दाना चौराहे पर ई-रिक्शा पलटा, तीन महिलाएं गंभीर घायल

- सड़क-फुटपाथ के खतरनाक असंतुलन ने खोली प्रशासनिक दावों की पोल
- नगर पालिका और पीडब्ल्यूडी पर उठे सवाल

पीलीभीत। शहर में बदहाल सड़कों और अव्यवस्थित निर्माण कार्यों ने आम जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। शनिवार को शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में शुमार नकटा दाना चौराहे पर हुआ हादसा इस लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण बनकर सामने आया। सड़क और फुटपाथ के बीच बने असंतुलन के चलते एक ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसमें सवार तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कुछ समय के लिए यातायात भी बाधित रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर कोतवाली क्षेत्र के नौकूड गांव निवासी तीन महिलाएं जिला अस्पताल से दवा लेकर ई-रिक्शा से अपने घर लौट रही थीं। जैसे ही ई-रिक्शा नकटा दाना चौराहे के पास पहुंचा, अचानक सड़क का ऊंचा स्तर और नीचे बने फुटपाथ के कारण ई-रिक्शा का संतुलन बिगड़ गया। चालक ने वाहन संभालने का प्रयास किया, लेकिन एक पहिया नीचे जाने से ई-रिक्शा पलट गया और तीनों महिलाएं उसके नीचे दब गईं।

घटना के तुरंत बाद मौके पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने सक्रियता दिखाते हुए राहगीरों की मदद से ई-रिक्शा को सीधा कर महिलाओं को बाहर निकाला। राहत की बात यह रही कि जिस समय हादसा हुआ, उस वक्त पीछे से कोई भारी वाहन नहीं आ रहा था, अन्यथा बड़ा और जानलेवा हादसा हो सकता था। घायल महिलाओं को तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए भेजा गया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। स्थानीय लोगों और शहरवासियों का आरोप है कि यह हादसा पूरी तरह लोक निर्माण विभाग और नगर पालिका की लापरवाही का परिणाम है।

लोगों का कहना है कि शहर में कई स्थानों पर सड़कें मानकों के विपरीत बनाई गई हैं। कहीं सड़कें अत्यधिक ऊंची हैं तो कहीं फुटपाथ 5 से 10 इंच तक नीचे चला गया है। ऐसे में दोपहिया वाहन, ई-रिक्शा और साइकिल चालकों को किनारे से निकलते समय भारी परेशानी और असंतुलन का सामना करना पड़ता है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

शहरवासियों का यह भी कहना है कि नकटा दाना चौराहा पहले से ही दुर्घटना संभावित क्षेत्र है। यहां आए दिन छोटे-बड़े हादसे होते रहते हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। बार-बार शिकायतों और चेतावनियों के बावजूद सड़क और फुटपाथ का स्तर ठीक नहीं कराया गया, जिसका नतीजा शनिवार के इस हादसे के रूप में सामने आया। जिले में नियमित रूप से सड़क सुरक्षा समिति की बैठकें आयोजित की जाती हैं, जिनमें जिलाधिकारी और पुलिस प्रशासन द्वारा गड्ढे भरने, सड़कों को दुरुस्त करने और दुर्घटना संभावित स्थानों को सुधारने के दावे किए जाते हैं।

लेकिन धरातल पर हालात इससे बिल्कुल उलट हैं। नकटा दाना चौराहे पर हुआ हादसा साफ तौर पर दिखाता है कि प्रशासनिक दावे केवल कागजों और बैठकों तक सीमित रह गए हैं।

दुष्कर्म का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

ललितपुर। बानपुर पुलिस की दुष्कर्म के आरोपी से बानपुर क्षेत्र में तड़के सुबह 3.45 बजे मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने जवाबी फायरिंग में आरोपी अमजद खान के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। पुलिस ने मौके से अवैध एक देशी तमंचा और कारतूस बरामद किया हैं।

पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक, ललितपुर कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी, महरौनी आशीष मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना बानपुर पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 337/2025 धारा 64(2)(द्व)/137(2)/351(3)/108 बीएनएस व ¾ पॉक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त- अमजद खान पुत्र सकूर खान उम्र करीब- 35 वर्ष नि0 कस्बा व थाना बानपुर जनपद ललितपुर को पुलिस मुठभेड के दौरान घायल/गिरफ्तार कर, आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है । घटना का संक्षिप्त विवरण 24.12.2025 को वादी से प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना बानपुर पर सुसंगत धाराओं में अभियुक्त अमजद खान उपरोक्त के विरुद्ध पंजीकृत किया गया था । घटना की गंभीरता व संवेदनशीलता को देखते हुए अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु 03 पुलिस टीमें लगायी गयी थी ।

गैंगरेप कर बच्ची की हत्या, लाश तीसरी मंजिल से फेंकी

बुलंदशहर में आरोपियों का एनकाउंटर, पुलिस ने पैर में गोली मारी

बुलंदशहर। यूपी के बुलंदशहर में 6 साल की बच्ची के साथ 2 युवकों ने गैंगरेप किया। फिर गला दबाकर उसे मार डाला। इतना ही नहीं, पकड़े जाने के डर से बच्ची की लाश को तीसरी मंजिल से फेंक दिया। लेकिन, युवकों को ऐसा करते एक पड़ोसी ने देख लिया। पड़ोसी ने तुरंत पुलिस और बच्ची के पिता को खबर दे दी। पिता बच्ची को जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। परिजनों की शिकायत पर आरोपियों पर केस दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस ने देर रात आरोपियों की तलाश में छापेमारी शुरू की। घटना के महज साढ़े 6 घंटे में ही पुलिस ने दोनों आरोपियों को पैर में गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया। घटना जिला मुख्यालय से करीब 28 किलोमीटर दूर सिकंदराबाद के थाना क्षेत्र इंडस्ट्रियल एरिया की है।

एसपी ने गूगल मीट के माध्यम से की अपराध समीक्षा बैठक

आगामी त्यौहार पौष पूर्णिमा/मकर संक्राति को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दिए निर्देश

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा गूगल मीट के माध्यम से जनपद के समस्त राजपत्रित अधि0/थाना/शाखा प्रभारियों के साथ अपराध एवं कानून-व्यवस्था व आगामी त्यौहार आदि के सम्बन्ध में जूम मीटिंग कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। सुरक्षा एव कानून-व्यवस्था के दृष्टिगत आगामी त्यौहार पौष पूर्णिमा /मकर संक्राति पर्व आदि के संबंध में समीक्षा कर, त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराने कराये जाने हेतु निर्धारित स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल की

ड्यूटिया लगाने आदि के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये ।

आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत सभी थानों पर पीस कमेटी की बैठक करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये तथा थाने पर लम्बित विवेचनाओं/प्रार्थना पत्रों का गुण दोष के आधार पर विधिक निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया ।

समस्त थाना/चौकी प्रभारी को नियमित रूप से जनसुनवाई करने तथा क्षेत्र में भ्रंमणशील रहने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये ।महिला संबंधी अपराध को प्राथमिकता देते हुये उनका समयबद्ध, उचित निस्तारण व आवश्यक कार्यवाही हेतु समस्त क्षेत्राधिकारीगण व थाना प्रभारी को निर्देशित किया ।

जनपद में वांछित अभियुक्तों/वारंटियों/इनामियां की गिरफ्तारी, अवैध शराब/मादक पदार्थों/पशु तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा थाने पर आने वाले शिकायतों का शत-प्रतिशत व समयबद्ध निस्तारण करने जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया । लूट/ डकैती/नकबजनी / चोरी/ झपटमारी के अपराधों से सम्बन्धित, विशेष अभियान चलाकर अपराधियों का सत्यापन करने व घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया ।

महिलाओं-बालिकाओं को हेल्प लाइन नंबरों की दी जानकारी

ललितपुर। माननीय मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5.0अभियान के अन्तर्गत नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद ललितपुर में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज- 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गाँव-गाँव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी

अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की । विशेष रूप से यह स्पष्ट किया गया कि साइबर अपराधी डर और लालच का सहारा लेते हैं, ऐसे में किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ओटीपी साझा न करने की सख्त हिदायत दी गई। मिशन शक्ति टीम द्वारा आपात सहायता हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए उनके त्वरित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। 112 आपातकालीन सेवा 1090 / 1091 महिला सुरक्षा हेल्पलाइन 181 महिला हेल्पलाइन 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन टीम ने उपस्थित जनसमूह को यह भरोसा दिलाया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या साइबर ठगी की सूचना तुरंत देने पर पुलिस पूरी गंभीरता से कार्रवाई करेगी। नारी की सुरक्षा केवल जिम्मेदारी नहीं, ललितपुर पुलिस का संकल्प है।

कानपुर गंगा में 350 किलो की डॉल्फिन की मौत

कानपुर। कानपुर में गंगा किनारे 350 किलो की मरी हुई डॉल्फिन मिली है। स्थानीय नाविकों ने शुक्रवार शाम 5 बजे बड़ी मछली को उतराते हुए देखा। पास जाकर देखा तो पता चला कि डॉल्फिन है। नाविकों ने इसकी सूचना पुलिस और वन विभाग को दी। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। डॉल्फिन को रस्सी से बांधकर ले गई। 8-10 लोग उसे उठाने में लगे थे। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि गंगा में प्रदूषण की वजह से डॉल्फिन की मौत हुई है। जहां शव मिला, वहां जाजमऊ क्षेत्र में सबसे ज्यादा टेनरियों का प्रदूषित पानी गंगा में गिरता है। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से ही मौत की वजह साफ हो सकेगी।

न्यू ईयर पर लखनऊ में बवाल काटने वाले दरोगा निलंबित

हजरतगंज चौराहे पर जमकर किया था हंगामा, बाराबंकी में थे तैनात

बाराबंकी। बाराबंकी में तैनात एक दरोगा को लखनऊ के हजरतगंज चौराहे पर नए साल के जश्न के दौरान हंगामा करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है।

बाराबंकी के पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने विभागीय जांच रिपोर्ट के आधार पर शुक्रवार को यह कार्रवाई की।

निलंबित किए गए दरोगा की पहचान 2015 बैच के उपनिरीक्षक सौम्य जायसवाल के रूप में हुई है। डीसीपी सेंट्रल विक्रांत वीर ने बताया कि घटना के बाद मामले की विभागीय जांच के आदेश दिए गए थे।

जांच रिपोर्ट में आरोपों की पुष्टि होने पर एसपी बाराबंकी ने दरोगा को निलंबित कर दिया। यह घटना 31 दिसंबर की रात करीब 1 बजे की है। नए साल की पूर्व संध्या पर हजरतगंज चौराहे पर भारी भीड़ और पुलिस बल तैनात था।

आरोप है कि दरोगा सौम्य जायसवाल अपने दोस्तों के साथ कार से लखनऊ पहुंचा था।

जब हजरतगंज चौराहे पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उसकी कार रोकने का इशारा किया, तो दरोगा ने वाहन की रफ्तार बढ़ा दी। आरोप है कि उसने तेज गति से कट मारते हुए मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों को कुचलने का प्रयास किया।

सुरक्षा को लेकर यातायात पुलिस ने चलाया अभियान

ललितपुर। यातायात पुलिस ने सड़क दुर्घटनाओं को कम करने, जनजीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने और यातायात को सुरक्षित बनाने के लिए जागरूकता अभियान चला रही है। इसमें हेलमेट पहनने के लिए दो-पहिया चालकों को जागरूक किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी यातायात

राजेश श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दृष्टिगत यातायात पुलिस ललितपुर द्वारा जनपद के विभिन्न स्थानों पर सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता अभियान चलाया गया ।

उक्त अभियान के अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों एवं आम नागरिकों को यातायात नियमों के पालन के संबंध में जागरूक किया गया।

अभियान के दौरान विशेष रूप से निम्न बिंदुओं पर जागरूकता प्रदान की गई। दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य प्रयोग, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग दो पहिया वाहन पर तीन सवारी न बैठाने के नियम का पालन रॉन्ग साइड ड्राइविंग न करने एवं निर्धारित दिशा में ही वाहन चलाने की अपील, कोहरे के समय वाहन धीमी गति से चलाएं तथा आगे चल रहे वाहन से पर्याप्त सुरक्षित दूरी बनाए रखें ।

साइबर क्राइम रोकथाम के लिए चलाया जागरूकता अभियान

ललितपुर। सौजना साइबर क्राइम सेल, पुलिस टीम द्वारा साइबर क्राइम जागरुकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, जनपद ललितपुर के साइबर क्राइम सेल, थाना सौजना पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र के कस्बा सौजना में जनता के व्यक्तियों को साइबर क्राइम के प्रति जागरुक किया गया तथा साइबर क्राइम से बचाव हेतु उपाय बताया गया। इसी प्रकार साइबर

क्राइम सेल, थाना जखौरा पुलिस टीम द्वारा कस्बा जखौरा स्थित राजकीय बालिका छात्रावास में छात्राओँ को साइबर क्राइम के प्रति जागरुक किया गया तथा साइबर क्राइम से बचाव हेतु उपाय बताया गया। जागरुकता कार्यक्रम के दौरान साइबर बुलिंग, स्टॉकिंग, फिसिंग, स्लेबरी, आईडेन्टिटी थेफ्ट आदि के विषय में विस्तृत रुप से जानकारी दी गई तथा साइबर अपराध से बचाव के सम्बंध में निम्न जानकारियाँ दी गई। डीप फेक, एआई, डिजिटल अरेस्ट आदि के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया गया ।

विशाल इंडिया
हिन्दी दैनिक

गौतमबुद्धनगर
रविवार 04 जनवरी 2026
Www.vishalindia.in

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प ने वेनेजुएला के खिलाफ सैन्य कार्रवाई तेज की

न्यूयॉर्क, एजेंसी। ट्रम्प प्रशासन ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मदुरो की सरकार के खिलाफ सैन्य अभियान तेज किए हैं। इसके जवाब में वेनेजुएला भी बड़े पैमाने पर अमेरिकी नागरिकों को हिरासत में ले रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, ये गिरफ्तारियां कैरेबियन सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में अमेरिकी सैन्य गतिविधियों के बढ़ने के बीच हो रही हैं, जो सितंबर महीने से शुरू हुई हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि अब तक 5 अमेरिकी मूल के नागरिक हिरासत में लिए गए हैं। एक अमेरिकी अधिकारी ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया कि सभी मामलों की स्थितियां अलग-अलग हैं। कुछ गिरफ्तारियों में वैध आपराधिक आरोप लग सकते हैं, जबकि अमेरिकी प्रशासन दो अमेरिकियों को गलत तरीके से हिरासत में लिया गया मानकर एक्शन लेने पर विचार कर रही है। अमेरिकी विदेश विभाग और कोलंबिया में अमेरिकी दूतावास ने इन गिरफ्तारियों पर कोई टिप्पणी नहीं की। वहीं, सीएनएन को एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि जांच जारी है कि ये अमेरिकी नागरिक गिरफ्तारी के समय वेनेजुएला में क्या कर रहे थे, और कुछ मामलों में ड्रग तस्करी के आरोप लग सकते हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने इस सैन्य बढ़ोतरी का बचाव करते हुए कहा कि यह अमेरिका में ड्रग्स आने से रोकने के लिए जरूरी है, और उन्होंने इसे ड्रग कार्टेल्स के साथ संघर्ष का हिस्सा बताया। अमेरिकी अधिकारियों ने मदुरो पर नार्को-टेररिज्म के आरोप भी लगाए हैं। हाल के महीनों में अमेरिका ने ड्रग तस्करी में शामिल बताई जाने वाली नावों पर 30 से अधिक हमले किए हैं, ताकि नशीले पदार्थों की सप्लाई चेन को तोड़ा जा सके।

अफगानिस्तान में भारी बारिश से आई अचानक बाढ़, 17 लोगों की मौत

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में लंबे सूखे के बाद हुई इस सीजन की पहली भारी बारिश और बर्फबारी अब मुसीबत बन गई है। भारी बारिश के चलते देश के कई हिस्सों में आई अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) ने भारी तबाही मचाई है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, इस प्राकृतिक आपदा में अब तक कम से कम 17 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 11 अन्य घायल हुए हैं। प्राधिकरण के प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ हम्माद ने बताया कि मध्य, उत्तरी, दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों में जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। बाढ़ की चपेट में आने से बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है और बड़ी संख्या में मवेशी भी मारे गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, लगभग 1,800 परिवार सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं, जिससे पहले से ही संघर्ष कर रहे ग्रामीण और शहरी इलाकों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि दशकों के संघर्ष, वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन के कारण अफगानिस्तान हमेशा ऐसी आपदाओं की जद में रहता है।

आपदा सहायता के लिए श्रीलंका ने भारतीय पोतों को किया सम्मानित

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की नौसेना ने आपदा सहायता के लिए आईएनएस विक्रांत और आईएनएस उदयगिरी सहित आठ विदेशी पोतों को सम्मानित किया है। भारत के ये दोनों विमान वाहक पोत पिछले महीने की शुरुआत द्वीपीय देश में आए भीषण चक्रवात दित्वाह के बाद सबसे पहले बचाव और राहत अभियान में शामिल हुए थे। इस आपदा में श्रीलंका के 600 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

बुल्गारिया ने भी यूरो को अपनाया यूरोजोन का 21वां सदस्य बना

सोफिया, एजेंसी। बुल्गारिया ने 2026 के पहले दिन आधिकारिक तौर पर यूरो को अपना लिया और इसी के साथ वह यूरोजोन का 21वां सदस्य बन गया है। दक्षिण-पूर्वी यूरोपीय देश ने यह फैसला यूरोपीय संघ में शामिल होने के 19 साल बाद लिया है। बुल्गारिया में अब तक लेव में लेन-देन होता था। यहां जनवरी के आखिर तक लेव यूरो के साथ-साथ पेमेंट का कानूनी जरिया बना रहेगा और एक फरवरी से यूरो एकमात्र आधिकारिक करेंसी बन जाएगी।

पाकिस्तान : सेना के खिलाफ हिंदू विधायक का प्रदर्शन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की तिराह घाटी में सैन्य अभियानों के खिलाफ महीनों से विरोध प्रदर्शन जारी है। इस बीच बृहस्पतिवार को आदिवासी समुदायों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए हिंदू विधायक बाबा गोपाल सिंह भी प्रदर्शन में शामिल हुए। गोपाल सिंह, जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (एफ) के सदस्य हैं। अपने भाषण में उन्होंने क्षेत्र में शांति और स्थिरता पर जोर दिया। उन्होंने मारे गए लोगों के लिए प्रार्थना की और घायलों के जल्द ठीक होने की दुआ मांगी।

अमेरिका की चेतावनी - चीन बेवजह तनाव बढ़ा रहा, ताकत से हालात बदलने की कोशिश नहीं करे

वाशिंगटन, एजेंसी। चीन और ताइवान के बीच फिर से तनाव बढ़ गया है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नए साल के भाषण में कहा कि ताइवान चीन का हिस्सा है और दोनों के बीच खून का रिश्ता है। उन्होंने कहा कि चीन और ताइवान का एक होना समय की मांग है और इसे कोई रोक नहीं सकता। ताइवान की सरकार ने इसे बहुत उकसाने वाला कदम बताया और कहा कि इससे पूरे क्षेत्र में अशांति फैल सकती है।

चीन हमेशा से कहता आया है कि ताइवान उसका हिस्सा है और जरूरत पड़ी तो सेना के दम पर उसे अपने साथ मिला लेगा। वहीं अमेरिका ने भी चीन की इस हरकत की आलोचना की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने चेतावनी देते हुए कहा कि चीन की बातें बेवजह तनाव बढ़ा रही हैं। अमेरिका की लंबे समय से चली आ रही नीति को दोहराते हुए विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि अमेरिका ताइवान जलडमरूमध्य (ताइवान और चीन के बीच का समुद्री क्षेत्र) में मौजूदा शांति को भंग करने के किसी भी कदम का विरोध करता है।

ट्रम्प बोले- जिनपिंग मेरे अच्छे दोस्त, चीन ताइवान पर हमला नहीं करेगा : अमेरिका पिछले कई दशकों से ताइवान की मदद करता आ रहा है ताकि वह अपनी रक्षा खुद कर सके। वहीं ट्रम्प ने चीन को लेकर नरम रुख दिखाया है। उन्होंने कहा कि वे चीन के सैन्य अभ्यासों से परेशान नहीं है। चीन पिछले 20 साल से ऐसे अभ्यास करता रहा है।

ट्रम्प ने कहा कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग से उनके अच्छे संबंध हैं और उन्हें लगता है कि चीन ताइवान पर हमला नहीं करेगा।

चीन ने ताइवान के आसपास सैन्य अभ्यास किया था : चीन ने ताइवान के आसपास अपना सबसे बड़ा और सबसे करीबी सैन्य अभ्यास किया है। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के मुताबिक, इस अभ्यास में नौसेना, वायुसेना और रॉकेट फोर्स को एक साथ तैनात किया गया है। इसका नाम 'जस्टिस मिशन 2025' रखा गया। यह अभ्यास 29 और 30 दिसंबर 2025 को दो दिनों तक चला और 31 दिसंबर को खत्म हो गया। इसमें चीन की सेना ने दर्जनों रॉकेट दागे, सैकड़ों लड़ाकू विमान, नौसेना के जहाज और तटरक्षक बलों को तैनात किया।

अभ्यास में ताइवान के मुख्य द्वीप को पूरी तरह घेरने और उसके प्रमुख बंदरगाहों की नाकाबंदी का अभ्यास किया गया, साथ ही समुद्री और हवाई लक्ष्यों पर सटीक हमले की प्रैक्टिस भी हुई। कुछ रॉकेट ताइवान के बहुत करीब, उसके क्षेत्रीय जलों के पास गिरे, जो अब तक का सबसे निकट अभ्यास था।

चीनी सेना बोली- यह बाहरी देशों के दखल के खिलाफ चेतावनी : चीनी सेना ने कहा है कि यह अभ्यास ताइवान की 'अलगाववादी ताकतों' और बाहरी देशों के दखल के खिलाफ चेतावनी है। द गार्डियन ने डिफेंस एक्सपर्ट्स के हवाले से बताया है कि इस बार चीन का अभ्यास पहले से ज्यादा बड़ा है और ताइवान के बेहद करीब किया जा रहा है। खासकर पूर्वी तट के पास बनाए गए सैन्य जोन को अहम माना जा रहा है, क्योंकि इसी दिशा से संकट के समय ताइवान को अंतरराष्ट्रीय मदद मिल सकती है।

ताइवान को अमेरिका से हथियार पैकेज मिलने से भड़का चीन : चीन के इस युद्धाभ्यास की वजह अमेरिका और ताइवान के बीच हुई हथियारों की डील मानी जा रही है। अमेरिका ने हाल ही में ताइवान को करीब 11.1 अरब डॉलर के हथियार बेचने की घोषणा की थी, जो अब तक का सबसे बड़ा रक्षा पैकेज है। इसमें आधुनिक मिसाइल सिस्टम, रॉकेट लॉन्चर और अन्य सैन्य उपकरण शामिल हैं। इस डील से चीन भड़क गया। वह ताइवान को मिलने वाले किसी भी विदेशी सैन्य समर्थन को सीधे अपनी संप्रभुता के खिलाफ कदम मानता है। इसके चलते उसने 26 दिसंबर को अमेरिका की 20 डिफेंस कंपनियों और 10 वरिष्ठ अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। दूसरी ओर जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने भी 7 नवंबर को कहा था कि अगर चीन ने ताइवान पर हमला किया तो जापान मदद के लिए अपनी सेना भेजेगा। चीन इससे बहुत नाराज हुआ था और इसे अपनी संप्रभुता पर हमला बताया। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने दिसंबर 2025 के अंत में ताइवान के मुख्य द्वीप को घेरने और प्रमुख बंदरगाहों की नाकाबंदी वाला दो दिवसीय बड़ा सैन्य अभ्यास किया। इसमें दर्जनों फाइटर जेट, युद्धपोत, कोस्ट गार्ड जहाज और मिसाइल लॉन्च शामिल थे। चीनी अधिकारियों ने इसे जस्टिस मिशन 2025 नाम दिया और कहा कि यह अभ्यास क्षेत्रीय स्थिरता के लिए जरूरी था। यह अभ्यास 2022 के बाद से ताइवान के आसपास छठा बड़ा सैन्य प्रदर्शन था। विशेषज्ञों के अनुसार, यह ट्रंप प्रशासन द्वारा ताइवान को 11 अरब डॉलर के हथियार पैकेज की मंजूरी के जवाब में किया गया। इस पैकेज में उन्नत मिसाइलें, ड्रोन और अन्य रक्षा प्रणालियां शामिल हैं।

न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने उमर खालिद को भेजी चिट्ठी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दिल्ली दंगा मामले के आरोपी उमर खालिद को अब न्यूयॉर्क के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी का भी साथ मिला है। जोहरान ममदानी ने उमर खालिद के लिए लिखा है कि हम सभी आपके बारे में सोच रहे हैं। उमर खालिद दिल्ली दंगा मामले में बीते पांच साल से जेल में बंद है। जोहरान ममदानी की उमर खालिद के समर्थन में लिखी ये पंक्तियां ऐसे समय सामने आई हैं, जब अमेरिकी सांसदों ने भी भारतीय राजदूत को एक चिट्ठी लिखकर उमर खालिद का समर्थन किया है और उसे जेल से रिहा करने की मांग की है।

जोहरान ममदानी ने उमर खालिद के समर्थन में लिखी ये बात

उमर खालिद की सहयोगी बनोज्योत्सना लाहिरी ने जोहरान ममदानी के हाथ से लिखे एक नोट को सोशल मीडिया पर साझा किया है। इस नोट में न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने अपने हाथ से लिखा, 'प्रिय उमर, मुझे अक्सर कड़वाहट के बारे में आपके शब्द याद आते हैं और यह भी कि इसे खुद पर हावी न होने देना कितना अहम है। आपके माता-पिता से मिलकर खुशी हुई। हम सभी आपके बारे में सोच रहे हैं।' जोहरान ममदानी ने बुधवार आधी रात को ही न्यूयॉर्क मेयर पद की शपथ ली थी। मीडिया

रिपोर्ट्स के अनुसार, बीते दिसंबर में उमर खालिद के माता-पिता ने जोहरान ममदानी से न्यूयॉर्क में मुलाकात की थी। माना जा रहा है कि उसी दौरान जोहरान ममदानी ने उमर खालिद के लिए ये नोट लिखा था।

अमेरिका के आठ डेमोक्रेटिक सांसदों ने भी उमर खालिद की रिहाई की मांग की फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगे के मामले में जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद पर साजिश रचने का आरोप है। इस मामले में सितंबर 2020 में उमर खालिद को गिरफ्तार किया गया था। उसके बाद से ही वह गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम की धाराओं के तहत जेल में बंद है। अमेरिका के आठ डेमोक्रेटिक सांसदों ने भी वॉशिंगटन में तैनात भारतीय राजदूत को एक चिट्ठी लिखकर उमर खालिद की रिहाई की मांग की है। अमेरिकी सांसदों ने उमर खालिद के मामले की सुनवाई में हो रही देरी पर भी चिंता जताई और उसे जमानत देने की मांग की।

रिसॉर्ट अग्निकांड में मरने वालों की संख्या बढ़कर 47 हुई

बर्न, एजेंसी। स्विट्जरलैंड के प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट क्रांस-मोंटाना में नए साल के जश्न के दौरान लगी भीषण आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर 47 हो गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। जांचकर्ताओं का कहना है कि आग लगने की वजह 'फ्लैशओवर' हो सकती है, जिससे आग बहुत तेजी से फैल गई। अधिकारियों के मुताबिक, यह आग वैले कैंटन के अल्पाइन रिसॉर्ट में स्थित 'ले कॉन्स्टेलेशन' बार में नए साल के जश्न के दौरान लगी। आग इतनी तेजी से फैली कि बार में भारी तबाही मच गई। बताया जा रहा है कि उस समय बार में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

वैले कैंटन की अटॉर्नी जनरल बेआत्रिस पिलू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि कहीं 'फ्लैशओवर' की वजह से विस्फोट और आग तो नहीं लगी। उन्होंने बताया कि कई परिस्थितियों की जांच की जा रही है और कई संभावनाओं पर विचार हो रहा है। कई चश्मदीदों के बयान लिए गए हैं और घटनास्थल से मिले मोबाइल फोन की जांच की जा रही है। पिलू ने कहा कि घटनाक्रम का सही क्रम अभी स्पष्ट नहीं है और जांच जारी है।

फ्लैशओवर क्या होता है : अमेरिकी नेशनल फायर प्रोटेक्शन एसोसिएशन के अनुसार, फ्लैशओवर तब होता है जब किसी बंद जगह में गर्म गैसें छत तक पहुंचकर फैल जाती हैं और तापमान अचानक बहुत बढ़ जाता है, जिससे वहां मौजूद ज्वलनशील वस्तुएं एक साथ जल उठती हैं।

स्विस अधिकारियों ने स्पष्ट कहा है कि इस घटना को आतंकवादी हमले के रूप में नहीं देखा जा रहा है। आग लगने के बाद आपात सेवाएं पूरी रात सक्रिय रहीं। घायलों को निकालने और इलाके को सुरक्षित करने के लिए कई एंबुलेंस और बचाव हेलीकॉप्टर तैनात किए गए। अधिकारियों ने अभी मृतकों की पहचान सार्वजनिक नहीं की है। फॉरेंसिक टीमें घटनास्थल पर जांच कर रही हैं।

पाकिस्तान ने तेज की अमेरिका में अपनी लॉबिंग और जनसंपर्क गतिविधियां

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी फॉरेन एजेंट्स रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत दाखिल दस्तावेजों से पता चलता है कि पाकिस्तान ने अमेरिका में अपनी लॉबिंग और जनसंपर्क गतिविधियां तेज कर दी हैं। इन दस्तावेजों में बताया गया है कि पाकिस्तान सरकार और उससे जुड़े संगठनों ने अमेरिका में अपनी बात रखने के लिए लाखों डॉलर खर्च किए हैं। दस्तावेजों में लाखों डॉलर के कॉन्ट्रैक्ट और भुगतानों का विवरण है इन प्रयासों का मकसद अमेरिकी कांग्रेस, एग्जीक्यूटिव ब्रांच, थिंक टैंक और मीडिया तक पहुंच बनाना है। एक दस्तावेज के अनुसार, इस्लामाबाद पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट ने अमेरिका में लॉबिंग और जननीति से जुड़े कामों के लिए करीब नौ लाख डॉलर का भुगतान किया। यह संस्थान पाकिस्तान स्थित एक थिंक टैंक है जो पाकिस्तान के नेशनल सिक्योरिटी डिवीजन से जुड़ा है।

जानकारी के मुताबिक, अक्टूबर 2024 में हाइपरफोकल

कम्युनिकेशंस एलएलसी को इस काम के लिए पंजीकृत किया गया। यह कंपनी टीम ईगल कंसल्टिंग एलएलसी के तहत सबकॉन्ट्रैक्टर के रूप में काम कर रही थी। दस्तावेजों में कहा गया है कि इसका उद्देश्य अमेरिका और पाकिस्तान के संबंधों को बेहतर बनाना था।

एक अन्य दस्तावेज से सामने आया है कि वाशिंगटन स्थित पाकिस्तान दूतावास ने अक्टूबर 2025 से एर्विन ग्रेव्स स्ट्रैटेजी ग्रुप एलएलसी के साथ समझौता किया। इसके तहत शुरुआती तीन महीनों के लिए हर महीने 25 हजार डॉलर का भुगतान तय किया गया।

इस समझौते के तहत अमेरिकी संसद के सदस्यों और सरकारी अधिकारियों से संपर्क करना शामिल है। साथ ही नीति समूहों और थिंक टैंकों से बातचीत भी इसके दायरे में आती है। इसमें क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक विकास और लोकतांत्रिक सुधार जैसे मुद्दों का जिक्र है।

इसके अलावा व्यापार को बढ़ावा देने, पर्यटन और पाकिस्तान में दुर्लभ खनिजों की संभावनाओं पर भी बात की गई है। सूचीबद्ध मुद्दों में जम्मू और कश्मीर विवाद और भारत-पाकिस्तान संबंध भी शामिल हैं। इन खुलासों पर भारत में खास नजर रखी जा रही है, क्योंकि इनमें जम्मू और कश्मीर और भारत-पाकिस्तान संबंधों को लेकर अमेरिका में लॉबिंग किए जाने का जिक्र है। एक अन्य जानकारी में बताया गया है कि पाकिस्तान दूतावास ने मई में जनसंपर्क सेवाओं के लिए क़ॉर्विस होल्डिंग इंक को भी नियुक्त किया। इसमें मीडिया आउटरीच और नैरेटिव डेवलपमेंट शामिल हैं।

अमेरिकी कानून के अनुसार, विदेशी सरकारों और उनसे जुड़े संगठनों को अपनी लॉबिंग और जनसंपर्क गतिविधियों की जानकारी सार्वजनिक करनी होती है। इन्हीं दस्तावेजों के जरिए उनके समझौते, गतिविधियां और किए गए भुगतानों का पूरा ब्योरा सामने आता है।

रूस का दावा: यूक्रेन ने किया खेरसॉन में ड्रोन हमला

मॉस्को, एजेंसी। नए साल के पहले दिन गुरुवार को यूक्रेन ने रूस पर भीषण ड्रोन हमला किया। रूस ने दावा किया है कि इन हमलों में कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में एक बच्चा भी शामिल है। रूसी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक खेरसॉन प्रांत के एक होटल और कैफे में नए साल के जश्न के दौरान यह यूक्रेनी हमला हुआ। विदेश मंत्रालय ने बताया कि रूस के नियंत्रण वाले दक्षिणी खेरसोन इलाके में यूक्रेन ने इस हमले को अंजाम दिया। रूसी सरकार की ओर से नियुक्त क्षेत्रीय गवर्नर व्लादिमीर साल्डो ने यूक्रेन पर आतंकवादी हमला करने का आरोप लगाया। वहीं यूक्रेन का कहना है कि वह नागरिकों को निशाना नहीं बनाता है।

जानबूझकर किया गया ड्रोन हमला', बोले खेरसॉन के गवर्नर : साल्डो ने कहा कि तीन यूक्रेनी ड्रोन ने तटीय गांव खोरली में नव वर्ष समारोह स्थल पर हमला किया। उन्होंने इसे नागरिकों के खिलाफ जानबूझकर किया गया हमला बताया। उन्होंने कहा कि कई लोग जिंदा जल गए। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि शुरुआती जानकारी

से संकेत मिलता है कि 24 लोग मारे गए हैं और 50 लोग घायल हुए हैं।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'इसमें कोई संदेह नहीं है कि हमला पूर्व नियोजित था, जिसमें ड्रोन ने जानबूझकर उन क्षेत्रों को निशाना बनाया जहां नागरिक नव वर्ष की पूर्व संध्या मनाने के लिए एकत्र हुए थे और हमले को युद्ध अपराध करार दिया।'

रूस ने की हमले की निंदा : रूसी अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन हमलों के बाद चारों और आग की लपटें और धुआं उठ रहा था। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने एक बयान में कहा कि इसके लिए पश्चिम में यूक्रेन के समर्थक ही जिम्मेदार हैं। रूस की संसद के दोनों सदनों के अध्यक्षों सहित वरिष्ठ राजनेताओं ने कीव की निंदा की। खेरसॉन यूक्रेन के उन चार इलाकों में से एक है जिन पर रूस ने 2022 में अपना दावा किया था। यूक्रेन के एक सैन्य प्रवक्ता ने गुरुवार को रूस के इंटरफैक्स समाचार को बताया कि वह केवल दुश्मन के सैन्य ठिकानों, ईंधन और ऊर्जा सुविधाओं और अन्य वैध लक्ष्यों पर हमला करता है।

जेन-जी मामले में पूर्व पीएम ओली से होगी पूछताछ

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में जेन-जी आंदोलन के तहत 8 और 9 सितंबर 2025 की घटनाओं की जांच कर रहे जांचबूझ आयोग ने नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को बयान के लिए बुलाने की तैयारी की है। आयोग उनके नाम औपचारिक पत्र जारी करने जा रहा है।

सिंहदरबार में प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से मुलाकात के बाद गुरुवार को प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद कार्यालय के बाहर पत्रकारों से बातचीत में जांचबूझ आयोग के अध्यक्ष गौरीबहादुर कार्की ने बताया कि जेन-जी आंदोलन से जुड़े मामलों में ओली को बयान के लिए बुलाने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। गौरीबहादुर कार्की ने कहा कि हम ओली को बयान के लिए बुलाने की तैयारी में हैं। जब पत्रकारों ने पूछा कि यदि आयोग के बुलाने पर ओली उपस्थित नहीं होते तो क्या किया जाएगा, इस पर गौरी बहादुर कार्की ने कहा, अगर वह नहीं आए, तो उस समय की स्थिति के अनुसार निर्णय लिया जाएगा। फिलहाल हम उन्हें पत्र भेज रहे हैं।

पूर्व गृह मंत्री लेखक पहले ही दर्ज करा चुके हैं बयान : कार्की के अनुसार, पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक का बयान पहले ही दर्ज किया जा चुका है। बयान पूरा होने के बाद आयोग रमेश लेखक

पर लगाए गए स्थान प्रतिबंध को हटाने की तैयारी में है। उन्होंने यह भी दावा किया कि आयोग को दी गई विस्तारित समय-सीमा के भीतर ही अपनी रिपोर्ट सौंप दी जाएगी। मालूम हो कि गौरी बहादुर कार्की नेपाल के पूर्व न्यायाधीश हैं।

मुख्य सचिव व कई अधिकारियों से हुई है पूछताछ : बहादुर की अध्यक्षता में गठित आयोग ने विवरण संकलन के बाद जेनजी आंदोलन के तहत फील्ड में तैनात सुरक्षा कर्मियों से बयान लेना शुरू किया था। इस क्रम में तत्कालीन नेपाल सरकार के मुख्य सचिव एकनारायण अर्याल, तत्कालीन गृह सचिव गोकर्णमणि दुवाडी, प्रधान सेनापति अशोकराज सिग्देल, नेपाल पुलिस के आईजीपी दानबहादुर कार्की, तत्कालीन आईजीपी चंद्रकुबेर, सशस्त्र प्रहरी बल के आईजीपी राजु अर्याल और राष्ट्रीय अनुसंधान विभाग के तत्कालीन प्रमुख हुतराज के बयान दर्ज किए जा चुके हैं।

सरकारी इमारत में तोड़फोड़ की, राजशाही वापस लाने की मांग, 3 लोग मारे गए

तेहरान, एजेंसी। ईरान में आर्थिक संकट और मंहगाई बढ़ने के कारण सरकार के खिलाफ पिछले 4 दिनों से विरोध प्रदर्शन जारी है। दक्षिणी शहर फासा में प्रदर्शनकारियों ने एक सरकारी इमारत में घुसने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों ने जमकर तोड़फोड़ की। ईरानी न्यूज एजेंसी मीजान के अनुसार, प्रांतीय गवर्नर कार्यालय के मुख्य दरवाजे और शीशे क्षतिग्रस्त कर दिए गए। हालात काबू में करने के लिए पुलिस को दखल देना पड़ा, जिसके बाद 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 12 पुलिसकर्मी घायल हुए। राजधानी तेहरान के सादी स्ट्रीट और ग्रैंड बाजार इलाके में व्यापारियों और दुकानदारों ने प्रदर्शन किया। कई जगहों पर दुकानें बंद रहीं, जिससे कारोबार ठप हो गया। इसी दौरान ईरान की अर्धसैनिक बसीज फोर्स का 1 सैनिक और 2 अन्य युवाओं की मौत हुई है। इस घटना के बाद कई इलाकों में तनाव और बढ़ गया है।

ईरान में महंगाई से आम लोगों में नाराजगी बढ़ी : देशभर में जेन जेडआक्रोश में है। इसका कारण आर्थिक बदहाली रहा है। दिसंबर 2025 में ईरानी मुद्रा रियाल गिरकर करीब 1.45 मिलियन प्रति अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गई, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। साल की शुरुआत से रियाल की कीमत लगभग आधी हो चुकी है। यहां महंगाई चरम पर पहुंच गई है। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में 72% और दवाओं की कीमतों में 50% तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके अलावा सरकार द्वारा 2026 के बजट में 62% टैक्स बढ़ाने के प्रस्ताव ने आम लोगों में भारी नाराजगी पैदा कर दी है।

राष्ट्रपति बोले- विदेशी ताकतें देश में फूट डाल रही : तेहरान में यूनिवर्सिटी और व्यावसायिक क्षेत्रों में शुरू हुए ये प्रदर्शन अब कई शहरों में फैल चुके हैं। कई जगहों पर बाजार बंद रहे और व्यापारी सड़कों पर

उतर आए हैं। प्रदर्शनकारी कट्टरपंथी मौलानाओं के शासन के खात्मे और राजशाही वापस लाने की मांग कर रहे हैं। इन नारों में सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई पर निशाना साधा जा रहा था। कुछ वीडियो में लोग निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी के समर्थन में नारे लगाते और उन्हें सत्ता सौंपने की मांग करते नजर आए। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने हालात संभालने के लिए मोर्चा संभाला है। उन्होंने इन प्रदर्शनों के लिए विदेशी हस्तक्षेप को जिम्मेदार ठहराया और देशवासियों से एकजुट रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि विदेशी ताकतें देश में फूट डालकर अपना फायदा निकालना चाहती हैं।

तेहरान से सैकड़ों किलोमीटर दूर तक प्रदर्शन : तेहरान से करीब 300 किलोमीटर दूर अजना शहर में सबसे ज्यादा विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। कई ऐसे वीडियो सामने आए हैं, जिसमें लोगों को आग लगाते देखा जा रहा है और फायरिंग की आवाजें आती हैं। इसके अलावा शर्म करो, शर्म करो के नारे लगाते हुए लोग दिखते हैं। ईरान की अर्ध सरकारी न्यूज एजेंसी स्नडुहल्य ने भी अपनी रिपोर्ट में तीन मौतों की बात लिखी है। ईरान के सुदूर इलाकों में इस बार ज्यादा गुस्सा दिख रहा है और इसी के चलते निपटना भी मुश्किल हो रहा है। कई प्रदर्शनकारियों ने तो सरकारी दफ्तरों पर भी धावा बोल दिया और पत्थरबाजी की है

इस्लामिक क्रांति के बाद खुमैनी ने ईरान में मौलाना शासन की नींव रखी : ईरान में 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद अयातुल्ला रूहोल्लाह खुमैनी सत्ता में आए। वे 1979 से 1989 तक 10 साल सुप्रीम लीडर रहे। उनके बाद सुप्रीम लीडर बने अयातुल्ला अली खामेनेई 1989 से अब तक 37 साल से सत्ता में हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित, शुभमन करेंगे कप्तानी

-श्रेयस को उपकप्तान बनाया गया, सिराज की टीम में वापसी

-बुमराह और हार्दिक को आराम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनसमिति ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय मैचों की सीरीज के लिए शनिवार को भारतीय टीम की घोषणा कर दी। टीम की कप्तानी बल्लेबाज शुभमन गिल करेंगे। वहीं श्रेयस अय्यर को उपकप्तान बनाया गया है। बोर्ड ने हालांकि कहा कि श्रेयस के खेलने पर अंतिम फैसला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की फिटनेस रिपोर्ट के बाद लिया जाएगा। इस साल की इस पहली सीरीज में अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली को भी टीम में बनाये रखा गया है। रोहित और विराट ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। इससे दोनो पर चयनसमिति का भरोसा बना हुआ है। वहीं टीम में ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और तेज जसप्रीत बुमराह को शामिल नहीं करते हुए आराम दिया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को भी टीम में जगह मिली है। इसके अलावा पिछले काफी समय से टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मी सिराज की वापसी हुई है।

सिराज ने पिछले एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। इसके बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए आराम दिया गया था। अब वह न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलते नजर आएंगे। सिराज के अलावा बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा को भी टीम में जगह मिली है। स्पिनर के तौर पर चाइनामैच कुलदीप यादव को रखा गया है। टीम में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और भी रहेंगे जो कुलदीप की स्पिन गेंदबाजी में सहायता करेंगे। टीम में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नितीश रेड्डी को भी अवसर दिया गया है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की इस बार भी उपेक्षा हुई है।

एकदिवसीय सीरीज का कार्यक्रम

एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत 11 जनवरी से होगी। इसका पहला मैच वडोदरा में खेला जाएगा। वहीं दूसरा मुकाबला 14 जनवरी को राजकोट में होगा जबकि तीसरे मुकाबले में 18 जनवरी को दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। इसके बाद दोनों टीमें पांच टी20 मैचों की सीरीज खेलती नजर आएंगी।

टीम इस प्रकार है:

शुभमन गिल (कप्तान), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जड़ेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जयसवाल।

वैभव अंतरराष्ट्रीय मैच में सबसे कम उम्र में कप्तानी करने वाले खिलाड़ी बने

-पाक के अहमद शहजाद को पीछे छोड़ा

बेनोनी (एजेंसी)। भारतीय अंडर-19 टीम के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंडर-19 यूथ एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मुकाबले में उतरने के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। 14 साल के वैभव अब किसी अंतरराष्ट्रीय मैच में कप्तानी करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड पाकिस्तान के अहमद शहजाद के नाम था। शहजाद ने 15 साल 141 दिन की उम्र में भारतीय टीम की कप्तानी की थी। यह पहली बार था जब वैभव ने किसी भी स्तर पर भारतीय राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की है। वैभव हालांकि इस मैच में अपने बल्ले से कमाल नहीं दिखा पाये और 12 गेंदों में केवल 11 रन बनाकर आउट हो गये। वैभव का बल्ला भले ही न चला हो, लेकिन मैच में उतरते ही वैभव ने इतिहास रच दिया।

वैभव को नियमित कप्तान आयुष म्हात्रे के चोटिल होकर बाहर होने के बाद कप्तानी सौंपी गई गयी थी। आयुष के 15 जनवरी से जिम्बाब्वे और नामीबिया में शुरू होने वाले अंडर-19 वर्ल्ड कप से टीम में वापसी की उम्मीद है। अब वैभव 16 साल की उम्र से पहले किसी भी अंडर-19 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर भी बन गए। उन्होंने पाकिस्तान के अहमद शहजाद का वह रिकॉर्ड तोड़, जो 2007 से कायम था।

वहीं वैभव अब उन खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्हें बेहद कम उम्र में कप्तानी की है। इस सूची में मेहदी हसन मिराज, फरहान जाखिल, एम्बिशस मुदुमा और साद बैग जैसे नाम शामिल हैं। दुनिया भर में अब तक केवल पांच खिलाड़ियों ने ही 16 साल से पहले यूथ अंतरराष्ट्रीय में अपनी टीम की कप्तानी की है।

जिम्बाब्वे ने टी20 विश्व कप के लिए घोषित की टीम, रजा होंगे कप्तान

हरारे (एजेंसी)। जिम्बाब्वे ने अगले माह भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम में युवा बल्लेबाज ब्रायन बेनेट को भी शामिल किया गया है। विश्वकप के लिए जिम्बाब्वे को ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, आयरलैंड और ओमान के साथ रखा गया है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच खेली गयी पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में बेनेट का प्रदर्शन अच्छा रहा था। उन्होंने 49, 49 और 47 रन बनाये थे इसका भी उन्हें चयन में लाभ मिला है। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनके नाम एक शतक और नौ अर्धशतक हैं। उनका स्ट्राइक रेट 52 मैचों में 145 से अधिक रहा है वहीं टीम में तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड नगारवा के अलावा स्पिनर ग्रीम क्रेमर रहेंगे। स्पिनर ग्रीम क्रेमर की सात साल के बाद टीम में वापसी हुई है। ब्रेंडन टेलर भी टीम में शामिली हैं। जिम्बाब्वे को विश्वकप के लिए ग्रुप-बी में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, आयरलैंड और ओमान के साथ रखा गया है।

टीम: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, ब्रैडली इवांस, क्लाइव मैडेंडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजरबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, ब्रेंडन टेलर।

विराट की नजर आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इन रिकार्डों पर रहेंगी

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के प्रशंसकों को उनसे इस साल भी आईपील के अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर कई रिकार्ड अपने नाम करने की उम्मीद है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरबीबी) की ओर से खेलते हुए विराट के पास इस बार आईपीएल में अपने 300 छक्के पूरे करने का अवसर है। आईपीएल में अभी उनके नाम 291 छक्के दर्ज हैं और ऐसे में उन्हें 300 छक्कों तक पहुंचने के लिए केवल 9 छक्के चाहिये। इसी के साथ ही वह क्रिस गेल और रोहित शर्मा की तरह 300 छक्के लगाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन जाएंगे। वहीं विराट को आईपीएल में अपने 9000 रनों को पूरा करने के लिए सिर्फ 339 रनों की जरूरत है। उन्होंने अभी तक 259 पारियों में 8,661 रन बनाये हैं और 9,000 रन पूरे करने के लिए उन्हें केवल 339 रनों की जरूरत है। इस आंकड़े तक पहुंचते ही वह आईपीएल इतिहास में इस 9000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज़ बन जाएंगे। विराट आईपीएल में शुरुआत से ही आरसीबी से खेलते आये हैं। वहीं उनके अभी आईपीएल में 145 अर्धशतक हैं। ऐसे में उन्हें 150 के आंकड़े तक पहुंचने के लिए केवल 5 और अर्धशतक चाहियेहै। अगर विराट इसमें सफल रहते हैं तो वह सचिन तेंदुलकर के बाद इतने अर्धशतक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन जाएंगे।एकदिवसीय प्रारुप की बात अभी विराट के नाम 296 पारियों में 14,557 रन हैं। ऐसे में 15,000 रन पूरे करने के लिए उन्हें 443 रनों की और जरूरत है। उनके फार्म देखते हुए ये तय है कि वह ये रन बना लेंगे। ऐसा करते ही वह 15000 रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन जायेंगे। अभी ये रिकार्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम है।

तबियत खराब होने के कारण शुभमन विजय हजारे ट्रॉफी मुकाबले में नहीं उतरे

जयपुर। स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल के शनिवार को विजय हजारे ट्रॉफी में यहां पंजाब और सिक्किम के बीच हुए मैच में खेलने की उम्मीदें जतायी जा रहीं थीं पर तबियत ठीक नहीं होने के कारण वह नहीं उतर पाये। एक रिपोर्ट के अनुसार शुभमन को फूड पॉइजनिंग हुई है, इस कारण उन्हें मेडिकल टीम ने आराम करने को कहा है। न्यूजीलैड के खिलाफ होने वाली सीरीज को देखते हुए भी प्रबंधन उनको लेकर जोखिम नहीं लेना चाहता है। वह सीरीज से पहले लय हासिल करने के लिए इस मैच में उतरे रहे थे। पंजाब और सिक्किम के बीच इस मैच में दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति नहीं दी गयी है। जयपुरिया विद्यालय के अंदर बने मैदान में दर्शकों के बैठने की कोई व्यवस्था नहीं है। हालांकि, खिलाड़ियों के चेंजिंग रूम के ऊपर एक छोटी गैलरी है पर यह केवल भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) प्रतिनिधियों, स्कूल और एकेडमी के छात्रों के लिए है। मैच का टीवी पर प्रसारण नहीं हो रहा और ना ही लाइव स्ट्रीम उपलब्ध है। वहीं कई स्टार क्रिकेटरों की उपस्थिति से विजय हजारे एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट की रौनक बढ़ गयी है। इस ट्रॉफी में खेलने वाले स्टार खिलाड़ियों की सूची में विराट कोहली से लेकर रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और अभिषेक शर्मा शामिल हैं। बीसीसीआई ने सभी भारतीय क्रिकेटरों के लिए विजय हजारे ट्रॉफी के कम से कम दो मैच में खेलना अनिवार्य कर दिया है। इसी कारण एक दशक से अधिक समय के बाद रोहित और कोहली जैसे खिलाड़ी इसमें खेलते दिख रहे हैं।

आईसीसी टूर्नामेंट की बढ़ती संख्या और बेमेल मुकाबलों से खेल का रोमांच घट रहा : अश्विन

चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा है कि टूर्नामेंटों की बढ़ती संख्या और एकदरफा मैचों से खेल का रोमांच कम हो रहा है। साथ ही कहा कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो आने वाले समय में कोई मैच देखने नहीं आयेगा। अश्विन के अनुसार आईसीसी टूर्नामेंट में खेलने वाली टीमों के स्तर में बढ़ते अंतर के कारण ऐसे मैच हो रहे है जिससें रोमांच नहीं रहा है।

टूर्नामेंट के शुरुआती चरणों में एकतरफा मैचों की संख्या लगातार बढ़ रही है अगर ऐसा होता रहा तो एक समय लोग स्टेडयम आना बंद कर देंगे। इस स्पिनर ने कहा, इस बार टी20 विश्वकप में भारत और अमेरिका, भारत और नामीबिया जैसे मैचों को शायद ही कोई देखने आये। इस प्रकार के मैच खेल का आनंद कम कर देते हैं। विश्व कप पहले हर चार साल में एक बार होता था। इसी वजह से लोगों का आकर्षण बना रहता था। भारतीय टीम तब पहले दौर में इंग्लैंड या श्रीलंका से खेलती थी और मैच में रोमांच रहता था। साल 2026 पुरुष टी20 विश्व कप में 20 टीमें भाग लेंगी और यह 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। भारतीय टीम पिछली विजेता होने के कारण इसमें अपने खिताब का बचाव करेगी।

दानिल मेदवेदेव की निगाह ब्रिस्बेन में खिताब जीतने पर

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। दानिल मेदवेदेव, टॉमी पॉल और जोआओ फोनसेका उन सितारों में से हैं जो इस आने वाले सप्ताह में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में 2026 सीजन की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं, जहां शनिवार को ड्रॉ निकाला गया। टॉप सीड मेदवेदेव 2019 में फाइनल में पहुंचने के बाद पहली बार ब्रिस्बेन में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और अपने पहले मैच में मार्टन फुक्सोविक्स का सामना करेंगे। विजेता फ्रांसिस टियाफो या ऑस्ट्रेलियाई वाइल्ड कार्ड अलेक्जेंडर वुकिच से भिड़ेगा।

पॉल ने पैर की चोट के कारण यूएस ओपन के बाद से प्रतिस्पर्धा नहीं की है, लेकिन बड़े-सर्विस वाले फ्रांसीसी खिलाड़ी जियोवानी म्पेट्शी पेरिकार्ड के खिलाफ वापसी करेंगे। पॉल दूसरे सीड एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के समान हाफ में हैं, जो ब्रैंडन नाकाशिमा के खिलाफ शुरुआत करेंगे। डेविडोविच फोकिना एटीपी रैंकिंग में टॉप 20 में एकमात्र खिलाड़ी हैं जिनके पास टूर-लेवल का खिताब नहीं है, उन्होंने पिछले सीजन में चार फाइनल में जगह बनाई थी। वह एटीपी 250 के इस टूर्नामेंट में इस रिकॉर्ड को बदलने की कोशिश करेंगे।

जोआओ फोनसेका अपने करियर के उच्चतम नंबर 24 पर अपने सीजन की शुरुआत करेंगे और पहले दौर में अमेरिकी रेली ओपेल्का के साथ खेलेंगे। ओपेल्का पिछले साल ब्रिस्बेन में फाइनल में पहुंचे थे, जहाँ वे डिफेंडिंग चैंपियन जिरी लेहेका से हार गए थे। तीसरे सीड लेहेका टॉमस माचाक के खिलाफ अपने खिताब की रक्षा शुरू करेंगे। नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल के चैंपियन लर्नर टिएन पहले दौर में कैमिलो उगो कैरबेलि का सामना करते हुए अपने प्रभावशाली फॉर्म को जारी रखने की कोशिश करेंगे। 20 वर्षीय अमेरिकी दूसरे दौर में अपने अच्छे दोस्त एलेक्स मिशेलसेन के साथ खेल सकते हैं।

ग्रिगोर दिमित्रोव नवंबर में पेरिस में टूर में लौटे और ब्रिस्बेन में अपनी वापसी जारी रखेंगे, जहाँ वे पहले दौर में एक क्वालिफायर के साथ खेलेंगे। बैंक ऑफ चाइना हांगकांग टेनिस ओपन में, लोरेंजो मुसेटी टॉप सीड हैं और शनिवार के ड्रॉ के बाद दूसरे राउंड में उनका मुकाबला टॉमस मार्टिन एटचेवेरी या वैलेंटीन रॉयिर से होगा। वर्ल्ड नंबर 8 एटीपी 250 में लगातार तीसरी बार खेल रहे हैं।

दूसरे सीड अलेक्जेंडर बुब्लिक का मुकाबला बोटिक वैन डी ज़ैंड्सचल्प या किसी क्वालिफायर से होगा, जबकि 2024 के चैंपियन आंद्रेई रुब्लेव का सामना वू यिबिंग या फैबियन मारोज़सन से होगा।नेक्स्ट जेन एटीपी स्टार रेई साकामोटो पांचवें सीड लोरेंजो सोनेगो से भिड़ेंगे, जबकि 20 साल के चीनी लेफ्टी शांग जुनचेंग फ्रांसिस्को कोमेसाना के साथ खेलेंगे। घरेलू पसंदीदा कोलमैन वोंग का मुकाबला मारियानो नावोन से होगा। शांग पिछले सीजन में हांगकांग में सेमीफ़ाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन चोटों के कारण उनका साल खराब हो गया। वोंग का 2025 में सबसे अच्छा प्रदर्शन यूएस ओपन में रहा, जहाँ वह तीसरे राउंड तक पहुंचे थे।

भारतीय टीम अगस्त में बांग्लादेश दौरे पर पहुंचेगी : बीसीबी

ढाका। बांग्लादेश में जारी उथल-पुथल के बीच ही क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि भारतीय टीम अगस्त-सितंबर 2026 में तीन मैचों की एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैचों के लिए भारत का दौरा करेगी। बीसीबी क्रिकेट ऑपरेशन के इंचार्ज शहरयार नफीस ने कहा, बांग्लादेश और भारत के बीच जो सीरीज पहले स्थगित कर दी गई थी, उसे अब 28 अगस्त को आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत ही मैच 1, 3 और 6 सितंबर को खेले जाएंगे। वहीं टी20 मैच 9, 12 और 13 सितंबर को खेले जाएंगे। वहीं बीसीबी ने साल 2026 सत्र के लिए अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इसमें तीनों प्रारुपों में पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, भारत, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज रखी गयी हैं। कार्यक्रम के तहत ही पाकिस्तान 9 मार्च को तीन एकदिवसीय मैचों के दौरे के लिए बांग्लादेश पहुंचेगा, जो 12 से 16 मार्च के बीच खेला जाएगा। वहीं अप्रैल-मई में न्यूजीलैंड का बांग्लादेश का दौरा तीन एकदिवसीय के साथ 17 अप्रैल से शुरू होगा, और उतने ही टी20, जो 27 अप्रैल से शुरू होकर 2 मई को समाप्त होंगे। इसके बाद पाक पाकिस्तान दो टेस्ट के लिए वापस आयेगी। पहला टेस्ट मैच 8-12 मई तक और दूसरा 16-20 मई तक खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया का बांग्लादेश दौरा 5 जून को तीन एकदिवसीय के साथ शुरू होगा, जिसके बाद तीन मैचों की टी20 सीरीज 15-20 जून के बीच खेली जाएगी। भारत की मेजबानी करने के बाद, बांग्लादेश वेस्ट इंडीज के खिलाफ़ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगा।

नीरज चोपड़ा की पीठ की चोट को लेकर बड़ा अपडेट : आगामी टूर्नामेंट पर अभी फैसला नहीं

नई दिल्ली। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी और ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा इस समय अपनी पीठ की चोट से उबरने पर पूरा ध्यान दे रहे हैं। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने शनिवार को बताया कि नीरज ने अभी यह तय नहीं किया है कि वह इस सत्र की शुरुआत कब और कहां से करेंगे। एएफआई के अनुसार, फिलहाल उनके लिए सीजन ओपनर से ज्यादा जरूरी चोट से पूरी तरह उबरना है।

विश्व चैंपियनशिप के बावजूद दिखाया जज्बा- नीरज चोपड़ा को सितंबर 2025 में टोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप से ठीक पहले पीठ में चोट लगी थी। इसके बावजूद उन्होंने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और 84.03 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ आठवें स्थान पर रहे। यह प्रदर्शन उनके मई 2025 में बनाए गए 90.23 मीटर के व्यक्तिगत और सत्र के सर्वश्रेष्ठ थ्रो से काफी कम था। एएफआई प्रवक्ता आदिल सुमरिवाला ने कहा कि नीरज ने दो चोटों के बावजूद विश्व चैंपियनशिप में खेलने का फैसला किया और कभी अपनी परेशानी का बहाना नहीं बनाया।

एएफआई ने की नीरज के रवैये की तारीफ- पूर्व एएफआई अध्यक्ष सुमरिवाला ने नीरज की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने चोट और सूजन के बावजूद देश के लिए खेलने का जज्बा दिखाया। उनके मुताबिक, नीरज जैसे खिलाड़ी बहुत कम होते हैं, जो बिना किसी शिकायत के मैदान में उतरते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं।

सीजन की शुरुआत और निजी जीवन- पिछले कुछ वर्षों में नीरज ने आमतौर पर अप्रैल या मई में अंतरराष्ट्रीय सत्र की शुरुआत की है। हाल ही में उन्होंने अपने गृह राज्य में हुए रिसेप्शन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की थीं। नीरज ने 2025 की शुरुआत में पूर्व टेनिस खिलाड़ी हिमानी मोर से निजी समारोह में विवाह किया था।

डोप टेस्टिंग पूल में सिर्फ दो भारतीय- विश्व एथलेटिक्स की एथलेटिक्स इंटेग्रिटी यूनिट (AIU) की ताजा रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल सूची में नीरज चोपड़ा और भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव ही शामिल हैं। सुमरिवाला ने बताया कि AIU स्वतंत्र संस्था है और जिन खिलाड़ियों के बड़े टूर्नामेंटों के लिए क्वालीफाई करने की संभावना होती है, उन पर निगरानी बढ़ाई जाती है। 2025 टोक्यो विश्व चैंपियनशिप में सचिन यादव ने नीरज से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 86.27 मीटर के थ्रो के साथ चौथा स्थान हासिल किया था।

एशियन गेम्स के लिए चयन नियम और नीरज को छूट- एएफआई ने इस साल जापान में होने वाले एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाइंग मानक भी जारी किए हैं। सामान्य तौर पर खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय या एएफआई द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना अनिवार्य होगा। हालांकि, सुमरिवाला ने संकेत दिए कि नीरज चोपड़ा को पहले की तरह घरेलू प्रतियोगिताओं से छूट मिल सकती है, क्योंकि वह डायमंड लीग जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय इवेंट्स में हिस्सा लेंगे। अंतिम फैसला चयन समिति के हाथ में होगा।

बीसीसीआई के सख्त निर्देश पर केकेआर का बड़ा फैसला, आईपीएल 2026 टीम से बाहर हुए मुस्तफिजुर रहमान

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने शनिवार को पुष्टि की कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीआई) के निर्देश के बाद उसने बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 की टीम से बाहर कर दिया है। केकेआर द्वारा जारी एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया है कि कोलकाता नाइट राइडर्स पुष्टि करता है कि आईपीएल के नियामक बीसीसीआई/आईपीएल ने आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र से पहले मुस्तफिजुर रहमान को टीम से मुक्त करने का निर्देश दिया है।

विज्ञप्ति में आगे कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के निर्देश पर उचित प्रक्रिया और परामर्श के बाद यह कार्रवाई की गई है। विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि बीसीसीआई आईपीएल नियमों के अनुसार कोलकाता नाइट राइडर्स को एक प्रतिस्थापन खिलाड़ी उपलब्ध कराएगा, और आगे की जानकारी उचित समय पर दी जाएगी। यह बयान बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि शीर्ष क्रिकेट बोर्ड ने आईपीएल फ्रेंचाइजी केकेआर को बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को हालिया घटनाक्रमों के मद्देनजर टीम से बाहर करने का निर्देश दिया है।

देवजीत सैकिया ने एएनआई को बताया, 'हाल ही में देश भर में चल रहे घटनाक्रमों के मद्देनजर, बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजी केकेआर को बांग्लादेश के खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर करने का निर्देश दिया है और बीसीसीआई ने यह भी कहा है कि अगर वे किसी प्रतिस्थापन का अनुरोध करते हैं, तो बीसीसीआई उस प्रतिस्थापन की अनुमति देगा।'

गौरतलब है कि बांग्लादेशी खिलाड़ी को टीम में शामिल करने से राजनीतिक विरोध शुरू हो गया है, खासकर बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों को हाल ही में निशाना बनाए जाने के मद्देनजर, और आईपीएल 2026 सीजन के लिए केकेआर द्वारा मुस्तफिजुर के चयन पर विभिन्न राय सामने आई हैं। मुस्तफिजुर को पिछले साल दिसंबर में आईपीएल नीलामी में कोलकाता स्थित फ्रेंचाइजी ने 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था।

2026 की ओर आत्मविश्वास और साहस के साथ आगे बढ़ेगा महिंद्रा समूहः शाह

- समूह के मूल्यों से जुड़ा रहना बेहद जरूरी

नई दिल्ली ।

महिंद्रा समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक अनिश शाह ने कर्मचारियों को नए वर्ष का संदेश देते हुए कहा कि समूह 2026 की ओर आत्मविश्वास, सहयोगपूर्ण सोच, चुस्ती और साहस के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कर्मचारियों से अपील की कि वे बड़ा सोचें, कम प्राथमिकताओं पर ध्यान दें और उनका उत्कृष्ट क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। शाह ने कहा कि आगे बढ़ते हुए भी समूह के मूल्यों से जुड़ा रहना बेहद जरूरी है। उन्होंने लिखा कि एक टीम के रूप में काम करते हुए ही समूह अपने उद्देश्य को साकार कर सकता है और पूरी क्षमता हासिल कर सकता है। उन्होंने कर्मचारियों से इस यात्रा का आनंद लेने का भी आग्रह किया। समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा द्वारा दिए गए बरगद के पेड़ के उदाहरण का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि यह पेड़ पोषण करता है, जीवन को छूता है और मूल्य सृजित करता है। महिंद्रा समूह भी इसी तरह समय के साथ ऊंचाइयों तक पहुंचा है और आगे भी बढ़ता रहेगा।वर्ष 2025 की समीक्षा करते हुए शाह ने कहा कि समूह ने अभूतपूर्व अनिश्चितताओं का सामना किया, लेकिन कर्मचारियों के सहयोग और प्रतिबद्धता से संगठन सही दिशा में बना रहा।

एप्पल ने पांच एंकर वेंडर्स के साथ किया बड़ा समझौता

- 30,537 करोड़ का किया निवेश, हजारों रोजगार के अवसर

नई दिल्ली ।

भारत में इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स के घरेलू उत्पादन को मजबूत करने के लिए एप्पल इंक ने पांच प्रमुख कंपनियों को एंकर वेंडर के रूप में चुना है। ये कंपनियां मिलकर लगभग 30,537 करोड़ का निवेश करेंगी।

इस पहल का उद्देश्य न केवल भारत में एप्पल की सप्लाई चेन को सशक्त बनाना है, बल्कि देश को वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स का महत्वपूर्ण केंद्र बनाना भी है। यह निवेश केंद्र सरकार की इलेक्ट्रॉनिक्स कम्पोनेट मैन्युफैक्चे रिंग स्कीम (ईसीएमएस) के अंतर्गत मंजूर किया गया है, जिसके तहत योग्य कंपनियों को निवेश पर प्रोत्साहन दिया जाता है।

इस वर्ष ईसीएमएस के तहत कुल 41,863 करोड़ के निवेश को मंजूरी दी गई है, जिसमें से करीब 73 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं पांच कंपनियों का है। इन परियोजनाओं से 27,614 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है। इसके अलावा, सप्लाई चेन और सहायक उद्योगों के माध्यम से बड़ी संख्या में अप्रत्यक्ष नौकरियां भी पैदा होंगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

सरकार ने 7,295 करोड़ रुपए के निर्यात सहायता पैकेज की घोषणा की

- एमएसएमई निर्यातकों के लिए सस्ता ऋण और बेहतर गारंटी व्यवस्था

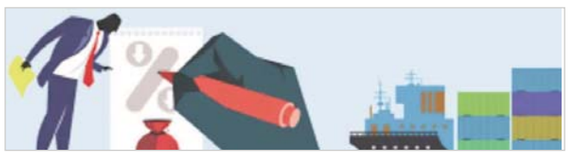

नई दिल्ली ।

सरकार ने छोटे और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) निर्यातकों को राहत देने के उद्देश्य से 7,295 करोड़ रुपये के निर्यात सहायता पैकेज की घोषणा की है। इस पैकेज का मकसद निर्यातकों की ऋण तक पहुंच को आसान बनाना और वैश्विक व्यापार की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उनकी कार्यशील पूंजी की समस्याओं को कम करना है। यह पैकेज वित्त वर्ष 2026 से 2031 तक छह वर्षों के लिए लागू रहेगा। पैकेज का सबसे बड़ा हिस्सा 5,181 करोड़ रुपये की ब्याज सहायता योजना का है।

इसके तहत निर्यातकों को निर्यात से पहले और निर्यात के बाद लिए गए ऋण पर 2.75 प्रतिशत तक ब्याज में रियायत मिलेगी। उभरते और कम प्रतिनिधित्व वाले बाजारों में निर्यात करने पर अतिरिक्त प्रोत्साहन भी दिया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत प्रति फर्म वार्षिक लाभ की सीमा 50 लाख रुपये तय की गई है। शुरुआत में सरकार 830 करोड़ रुपये का बकाया चुकाएगी। सरकार ने निर्यात ऋण के लिए 2,114 करोड़ रुपये की गारंटी सहायता देने का भी फैसला किया है। इससे छोटे निर्यातकों को बैंकों से ऋण प्राप्त करने में आसानी होगी। चालू वित्त वर्ष में सरकार को दोनों योजनाओं पर 400 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार यह योजना पहले लागू ब्याज समानीकरण योजना (आईईएस) का नया संस्करण है, जिसे 31 दिसंबर 2024 के बाद बंद कर दिया गया था। नई योजना मुख्य रूप से छोटे और पहली बार निर्यात करने वाले निर्यातकों पर केंद्रित होगी।

सरकार ने 22 कंपनियों के 41,863 करोड़ निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी

- योजना के तहत 46 कंपनियों को मंजूरी मिल चुकी है

नई दिल्ली ।

केंद्रीय सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स पुर्जा विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत 22 नई कंपनियों के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिनका कुल निवेश 41,863 करोड़ रुपए है। अब तक इस योजना के तहत 46 कंपनियों को मंजूरी मिल चुकी है, जिससे कुल निवेश 54,567 करोड़ रुपए हो जाएगा। मंजूरी पाने वाली कंपनियों में टीडीके इंडिया, बीपीएल, विप्रो हाइड्रोलिक्स, मदरसन इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, फॉक्सकॉन, सैमसंग डिस्प्ले, डिक्सन और हिंडाल्को शामिल हैं। ये कंपनियां कैपेसिटर, लीथियम-आयन सेल, कॉपर-क्लैड लैमिनेट, एन्क्लोज़र, एनोड मटीरियल, कनेक्टर, डिस्प्ले और कैमरा मॉड्यूल बनाएंगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सभी कंपनियों को अपनी डिज़ाइन टीम बनाने और शैक्षिक संस्थानों के साथ मानक डिज़ाइन सुविधा विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने छह हफ़्ते में ठोस योजना तैयार करने और सिक्स सिग्मा स्टैंडर्ड्स का पालन करने का निर्देश दिया, ताकि उत्पाद की गुणवत्ता विश्व स्तर की हो। इस पहल का लक्ष्य भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर निर्माण को बढ़ावा देना और छोटे-मझोले उद्योगों को डिज़ाइन तकनीक का लाभ पहुंचाना है।

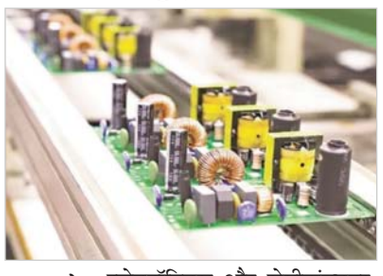

भारत के विमानन बेड़े में 2026 तक तेजी से बढ़ोतरी की संभावना

- भारतीय विमानन कंपनियां बेड़े में 55 नए विमान शामिल करेंगी

नई दिल्ली ।

भारतीय विमानन उद्योग का बेड़ा 2025 में कुल 826 विमानों का था, जिसमें से 723 विमान परिचालन में थे। शेष 103 विमान स्पेयर पार्ट्स की कमी या एयर इंडिया जैसे अपग्रेडेशन और नवीनीकरण कारणों से परिचालन से बाहर थे। पिछले साल 79 विमान बेड़े में जोड़े गए, जबकि 44 विमानों को हटाया गया, जिससे 2025 में शुद्ध वृद्धि 35 विमानों की रही। विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 में भारतीय एयरलाइंस अपने बेड़े में लगभग 50-55 नए विमान जोड़ सकती हैं। अगर उत्पादन और अनुमति की प्रक्रिया योजना अनुसार रही, तो साल के अंत तक कुल बेड़े की क्षमता 900 विमान तक पहुंच सकती है।

परिचालन से बाहर रहे विमानों को भी शामिल करने की संभावना है, जिससे परिचालन विमानों की संख्या में और वृद्धि हो सकती है। इंडिगो के 49 विमानों में से आधे नए प्रैट एंड व्हिटनी इंजनों के साथ उड़ान भर सकते हैं, जिससे बेड़े की क्षमता में सुधार होगा। एयर इंडिया के कुल विमानों की संख्या लगभग स्थिर रहने की संभावना है। 2026 में एयर इंडिया के पास 26 विमान होंगे, जिनमें से 20 नैरो-बॉडी वाले हैं। कुछ लीज पर लिए गए बोइंग 777 विमानों को वापस किया जा रहा है। वहीं अकासा एयर में वर्तमान में 31 विमान हैं और हर महीने 1-2 विमान जोड़ने की योजना है। 2027-28 तक एयर इंडिया और इंडिगो के बड़े पैमाने पर विमानों की डिलीवरी से भारत का बेड़ा 1000 विमानों के करीब पहुँच सकता है।

भारत के फास्ट-फूड सेक्टर का सबसे बड़ा मर्जर- देवयानी और सफायर फूड्स

देवयानी, सफायर के प्रत्येक 100 शेयर के लिए 177 शेयर जारी करेगी

नई दिल्ली । देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड और केएफसी-पिज्जा हट ऑपरेटर सफायर फूड्स इंडिया लिमिटेड का मर्जर फास्ट-फूड सेक्टर का अब तक का सबसे बड़ा समझा जा रहा है। इस डील के बाद दोनों कंपनियों के ऑपरेशन एकीकृत होंगे और भारत में सबसे बड़ा क्विक-सर्विस रेस्टोरेंट (ओएसआर) ऑपरेटर बनेगा। डील के तहत देवयानी, सफायर के प्रत्येक 100 शेयर के लिए 177 शेयर जारी करेगी। इसके अलावा, आर्कटिक इंटरनेशनल सफायर के लगभग 18.5 फीसदी पेड-अप इक्विटी का अधिग्रहण करेगी। मर्जर को लागू करने के लिए स्टॉक एक्सचेंज, सीसीआई, एनसीएलटी और शेयरधारकों एवं लेनदारों की मंजूरी जरूरी होगी। पूरी प्रक्रिया में लगभग 12-15 महीने लग सकते हैं। मर्जर की खबर के बाद देवयानी इंटरनेशनल के शेयरों में तेजी देखी गई। बीएसई में 156.90 रुपए से बढ़कर सत्र दौरान 159.45 रुपए तक पहुंचे। निवेशकों ने कंपनी के विकास और अंतरराष्ट्रीय विस्तार पर भरोसा जताया। भारत में घटती बिक्री और महंगाई के दबाव के बीच उपभोक्ता अब घर पर ऑर्डर करने की ओर ज्यादा झुकाव दिखा रहे हैं।

दिसंबर 2025 में भारत का विनिर्माण सेक्टर दो साल के निचले स्तर पर

नई दिल्ली । भारत का विनिर्माण क्षेत्र दिसंबर 2025 में धीमी वृद्धि के बीच दो साल के निचले स्तर पर आ गया। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई 55 पर रिकॉर्ड किया गया, जबकि नवंबर 2025 में यह 56.6 था। 50 से ऊपर रहने के कारण क्षेत्र अभी भी विकास कर रहा है, लेकिन वृद्धि की रफ्तार में कमी आई है। सर्वेक्षण के अनुसार नए व्यवसायों में तेज बढ़ोतरी देखने को मिली, लेकिन नए निर्यात ऑर्डर में पिछले 14 महीनों में सबसे धीमी वृद्धि दर्ज हुई। कुल बिक्री में कमी का मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में मंदी रही। वहीं एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया के ग्राहकों से बेहतर मांग बनी रही। विनिर्माण कंपनियों ने दिसंबर में रोजगार में मामूली वृद्धि की, हालांकि यह गति पिछले महीनों की तुलना में सबसे कम रही। परिचालन क्षमता पर दबाव में कमी आई, जिससे कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने की जगह मिली। महंगाई की दर दिसंबर में नौ महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गई। इससे कंपनियों को मांग के मोर्चे पर समर्थन मिला और प्रतिस्पर्धी कीमतें नए व्यवसाय लाने में मदद कर सकती हैं।

तांबा और एल्युमिनियम की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर

- एल्युमिनियम अंतरराष्ट्रीय बाजार में यूएसडी 3,000 प्रति टन एवं तांबा 12,000 प्रति टन के पार

नई दिल्ली ।

2025 में सोना और चांदी की रैली के बाद अब इंडस्ट्रियल मेटल्स में भी तेजी देखने को मिल रही है। एल्युमिनियम की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में यूएसडी 3,000 प्रति टन पार कर गई हैं, जो तीन साल में सबसे ऊँचा स्तर है। तांबा भी एलएमई पर यूएसडी 12,000 प्रति टन के पार पहुंच गया है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि 2026 में इन धातुओं में मॉन्स्टर रैली देखने को मिल सकती है। इस तेजी के पीछे कई कारण हैं। चीन में स्मेल्टिंग क्षमता पर कड़ी सीमाएं और यूरोप में बिजली की ऊंची लागत के कारण उत्पादन घटा है। इंडोनेशिया, चिली और कांगो में खनन दुर्घटनाओं और हड़तालों ने सप्लाई पर दबाव बढ़ाया है। वहीं निर्माण, रिन्यूएबल एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में मजबूत दीर्घकालिक मांग भी कीमतों को ऊपर ले जा रही है। ब्याज दरों में संभावित कटौती, कमजोर अमेरिकी डॉलर और चीन की अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीदों ने निवेशकों की धारणा मजबूत की है। बाजार के जानकारों के अनुसार, सप्लाई बाधाएं और वैश्विक निवेश 2026 की पहली छमाही तक तांबे की कीमतें ऊंची बनाए रख सकते हैं। इस तेजी का असर आम उपभोक्ताओं की जेब पर भी दिखने लगा है। एयर कंडीशनर, किचन अप्लायंसेज़, बाथ फिटिंग्स और कुकवेयर जैसी तांबे पर निर्भर वस्तुएं महंगी होने की संभावना है। भारत में एमसीएक्स पर तांबा 1,300 प्रति किलो के करीब पहुंच गया है। कंपनियां बढ़ती लागत की भरपाई के लिए 5-8 फीसदी तक कीमतें बढ़ाने की तैयारी में हैं।

बाजार में लगातार दूसरे हफ्ते भी जारी रही तेजी

- घरेलू संस्थागत निवेशकों की लगातार खरीदारी ने सेंसेक्स और निफ्टी को समर्थन दिया

मुंबई ।

बीते सप्ताह मज़बूत ऑटो बिक्री के आंकड़ों और बेहतर अर्निंग आउटलुक को लेकर बने उत्साह के कारण, भू-राजनीतिक तनाव और एफआईआई की लगातार बिकवाली को नज़रअंदाज़ करते हुए, बाज़ार ने लगातार दूसरे हफ़्ते भी बढ़त जारी रखी। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को सकारात्मक रही, जहां बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 22.24 अंक बढ़कर 85,063.69 पर खुला, वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 16 अंकों की तेजी के साथ 26,058.30 पर कारोबार शुरू हुआ। हालांकि, दिन के अंत में सेंसेक्स 346 अंक गिरकर 84,695 पर बंद हुआ और निफ्टी 25,950 के स्तर के नीचे फिसल गया। इस दौरान भारतीय रुपया भी 89.97 के रिकॉर्ड निचले स्तर के करीब कारोबार करता दिखाई दिया। मंगलवार को बाजार में गिरावट जारी रही। सेंसेक्स 209.32 अंक गिरकर 84,486.22 पर आ गया और निफ्टी 63.25 अंक फिसलकर 25,878.85 पर पहुंच गया। इसके बावजूद, बुधवार को पिछले दिनों की गिरावट के बाद रिकवरी देखने को मिली। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 254.38 अंक चढ़कर 84,929.46 पर पहुंच गया और निफ्टी 50 ने 89.15 अंकों की बढ़त के साथ 26,028 पर कारोबार किया। इस सुधार का मुख्य कारण घरेलू संस्थागत निवेशकों की लगातार खरीदारी और साल के अंत में पोर्टफोलियो रीबैलेंसिंग रही। गुरुवार को सेंसेक्स में मामूली गिरावट देखने को मिली और यह 85,188.60 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 26,146.55 पर स्थिर रहा। दिन के दौरान सेंसेक्स ने 350 अंकों के उतार-चढ़ाव के साथ 85,101.52 और 85,451.70 के

स्तर को छुआ। शुक्रवार को बाजार ने नए इतिहास की ओर कदम बढ़ाया। ब्लू-चिप रिलायंस इंडस्ट्रीज में तेजी और घरेलू निवेशकों की खरीदारी के कारण सेंसेक्स 573.41 अंक उछलकर 85,762.01 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 182 अंक बढ़कर 26,328.55 पर बंद हुआ और इंट्रा-डे में 26,340 का नया रिकॉर्ड बनाया।

एनएचपीसी बांड के जरिए जुटाएगी 2,000 करोड़

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की एनएचपीसी ने चालू वित्त वर्ष में 2,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बॉन्ड जारी करने की योजना की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि यह राशि उसके उधार लेने की रणनीति का हिस्सा होगी। एनएचपीसी के अनुसार यह कोष एक या एक से अधिक किस्तों में **असुरक्षित, विमोचन योग्य, कर योग्य और संचयी बॉन्ड जारी करके जुटाया जाएगा। योजना निजी नियोजन के माध्यम से होगी, न कि सार्वजनिक शेयर बाजार से। कंपनी ने कहा कि इस विषय पर निर्णय लेने के लिए निदेशक मंडल की बैठक 8 जनवरी को होगी। बैठक में यह तय किया जाएगा कि बॉन्ड किस तरह और कितनी किस्तों में जारी किए जाएं।

एनटीपीसी सीसीटीई में अल्पांश हिस्सेदारी खरीदेगी

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी अमेरिकी कंपनी क्लीन कोर थो रियम इनर्जी (सीसीटीई) में अल्पांश हिस्सेदारी लेने पर बातचीत कर रही है। बीएसई के सवाल के जवाब में कंपनी ने कहा कि वह लगातार देश और विदेश में निवेश के अवसर तलाशती रहती है। किसी भी निवेश का निर्णय पूरी जांच-पड़ताल और कानूनी, नियामक मंजूरी पर निर्भर होगा। कंपनी ने बातचीत से जुड़ी और जानकारी अभी साझा नहीं की है। सूत्रों के अनुसार एनटीपीसी अपनी परमाणु ऊर्जा योजनाओं को आगे बढ़ाने और तकनीक व ईंधन के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए कई विकल्पों पर विचार कर रही है। इसमें सीसीटीई में हिस्सेदारी खरीदना भी शामिल है।

आंध्र प्रदेश ने निवेश आकर्षण में बनाया नया रिकॉर्ड

- आंध्र प्रदेश ने वित्त वर्ष 2026 में 25 फीसदी से ज्यदा हिस्सेदारी हा सिल की

नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 के पहले नौ महीनों में राष्ट्रीय निवेश प्रस्तावों का 25.3 फीसदी हिस्सा आंध्र प्रदेश ने हासिल किया। यह ओडिशा और महाराष्ट्र से काफी आगे है। राज्य ने इस प्रदर्शन से स्पष्ट कर दिया कि वह निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद और प्रतिस्पर्धी केंद्र बन चुका है। देश में कुल 26.6 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 11.5 फीसदी अधिक हैं। आंध्र प्रदेश, ओडिशा और महाराष्ट्र ने मिलकर कुल निवेश प्रस्तावों का 51.2 फीसदी हिस्सा हासिल किया। राज्य सरकार ने इस सफलता का श्रेय निवेशक-अनुकूल नीतियों, तेज़ निर्णय प्रक्रिया और मजबूत बुनियादी ढांचे को दिया। बंदरगाह, लॉजिस्टिक, ऊर्जा और डिजिटल नेटवर्क के विकास ने बड़े उद्योग समूहों को आकर्षित किया। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार, राज्य की बढ़ती हिस्सेदारी पूर्वी और दक्षिणी भारत में औद्योगिक निवेश के झुकाव को दर्शाती है और यह राष्ट्रीय आर्थिक विकास में राज्यों की बदलती भूमिका का संकेत है।

निजी बैंक बने पेंशन फंड मैनेजर, एनपीएस निवेशकों को ज्यादा विकल्प मिलेंगे

नई दिल्ली।

पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) के एक अहम फैसले से भारत के रिटायरमेंट बचत सिस्टम में महत्वपूर्ण बदलाव की उम्मीद की जा रही है। नए नियमों के तहत अब शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक अपने स्तर पर पेंशन फंड स्थापित कर सकेंगे। हालांकि, नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के मौजूदा नियमों, ढांचे और निवेश सुरक्षा में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पीएफआरडीए ने साफ किया है कि एनपीएस की संरचना पहले की तरह ही रहेगी। टैक्स लाभ, निवेश नियम, निकासी प्रक्रिया और नियामकीय निगरानी में कोई बदलाव नहीं होगा। यह फैसला केवल पेंशन फंड मैनेजमेंट में बैंकों की भागीदारी से जुड़ा है। विशेषज्ञों का मानना है कि बैंकों की सीधी भागीदारी से निवेशकों को अधिक विकल्प मिलेंगे। कर्मा मैनेजमेंट ग्लोबल कंसल्टिंग सॉल्यूशंस के अनुसार, एनपीएस का प्रोडक्ट तुरंत नहीं बदलेगा, लेकिन निवेशकों का अनुभव जरूर बेहतर होगा। बैंकों का बड़ा नेटवर्क और मजबूत डिजिटल सिस्टम, खासकर गैर-मेट्रो और ग्रामीण क्षेत्रों में, एनपीएस तक पहुंच को आसान बनाएगा। निवेशकों का भरोसा अहम भूमिका निभाएगा। जिन बैंकों से लोगों का पहले से संबंध है, उन्हीं से जुड़े पेंशन फंड मैनेजर चुनने का विकल्प निवेशकों को मिलेगा। इससे नामांकन और योगदान प्रबंधन की प्रक्रिया सरल होगी।

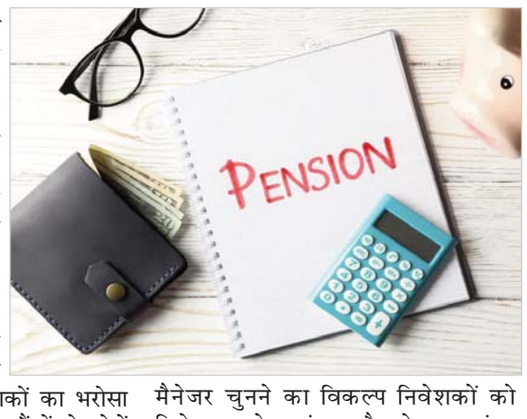

सेबी ने आठ कंपनियों के आईपीओ को दी मंजूरी

नई दिल्ली । भारतीय बाजार नियामक सेबी ने आठ कंपनियों को आईपीओ के माध्यम से पूंजी जुटाने की मंजूरी दे दी है। आईपीओ की मंजूरी उन कंपनियों को मिली जिन्होंने जुलाई से अक्टूबर के बीच अपने प्रारंभिक दस्तावेज जमा किए थे। नियामक की टिप्पणियां 26 दिसंबर से 2 जनवरी के बीच आईं, जो सेबी की भाषा में आईपीओ मंजूरी के समान मानी जाती हैं। नियामक मंजूरी प्राप्त करने वाली अन्य कंपनियों में श्रीराम फूड इंडस्ट्री, वडोदरा स्थित टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) लिमिटेड, इंदिरा आईवीएफ और रे ऑफ बिलीफ लिमिटेड शामिल हैं।ये कंपनियां अब सार्वजनिक निवेशकों से पूंजी जुटा सकती हैं। सेबी की टिप्पणियां आईपीओ प्रक्रिया का अहम हिस्सा हैं और इससे निवेशकों को कंपनियों की पारदर्शिता और वित्तीय स्थिति की जानकारी मिलती है।

रणवीर सिंह के बाद कौन होगा डॉन 3 का लीड हीरो, ऋतिक रोशन सबसे मजबूत दावेदार

पिछले हफ्ते कई मीडिया रिपोर्ट्स में खबर आई कि रणवीर सिंह फरहान अख्तर की फिल्म डॉन 3 से बाहर हो गए हैं, लेकिन अभिनेता या प्रोडक्शन टीम ने इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। वहीं हाल ही में जानकारी आई है कि इस फिल्म के लीड हीरो के लिए तलाश शुरू हो चुकी है, जिसमें सबसे पहला नाम इस हैंडसम एक्टर का है।

रणवीर सिंह की जगह कौन?

एक खबर के अनुसार फिल्म के निर्माता डॉन 3 के लिए एक बड़े स्टार की तलाश कर रहे हैं। इसमें ऋतिक रोशन सबसे मजबूत दावेदार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता वॉर 2 के हीरो ऋतिक को इस मशहूर डॉन फ्रेंचाइजी का नया चेहरा बनाने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। डॉन 3 के मुख्य अभिनेता को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

फरहान अख्तर की पहली पसंद ऋतिक थे

पिछले साल एक इंटरव्यू में फरहान अख्तर ने बताया कि डॉन 2 के लिए उन्होंने पहले ऋतिक रोशन से वादा किया था। फरहान और ऋतिक ने साथ में फिल्म लक्ष्य की थी, इसलिए फरहान ने ऋतिक को स्क्रिप्ट सुनाने का प्लान बनाया। लेकिन स्क्रिप्ट लिखते समय फरहान को लगा कि यह रोल शाहरुख खान के लिए ज्यादा सूट करेगा। फरहान ने ऋतिक को फोन करके यह बात बताई। ऋतिक ने बहुत अच्छे से कहा, फरहान, तुम अपनी बेस्ट फिल्म बनाओ। अगर शाहरुख सही लग रहे हैं, तो उनसे करो। मेरी चिंता मत करो। फरहान ने इसे बहुत विनम्र व्यवहार बताया।

रणवीर सिंह के डॉन 3 से बाहर होने की खबरें आने के बाद अफवाहें उड़ीं कि उनकी फिल्म धुरंधर की सफलता के कारण ऐसा हुआ। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया कि निर्माताओं से मांगों पर मतभेद हुआ, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म की शूटिंग में देरी हो सकती है।

शिल्पा शिंदे के बाद 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में सौम्या टंडन की वापसी? एक्ट्रेस ने दिया जवाब

टीवी के सबसे लोकप्रिय कॉमेडी शोज में शुमार 'भाबीजी घर पर हैं' एक बार फिर सुर्खियों में है। शो के नए वर्जन 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में शिल्पा शिंदे की वापसी ने दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। इसी के साथ सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट गलियारों में यह चर्चा भी तेज हो गई कि क्या शो की पहली 'गोरी मैम' यानी सौम्या टंडन भी एक बार फिर दर्शकों के सामने लौट सकती हैं। अब इन कयासों पर खुद सौम्या टंडन ने चुप्पी तोड़ी है। सौम्या ने अटकलों पर लगाया विराम शिल्पा शिंदे की वापसी के बाद से ही फैंस पुराने किरदारों को फिर से देखने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। खासतौर पर सौम्या टंडन, जिन्होंने अनीता नारायण मिश्रा के किरदार से घर-घर में पहचान बनाई थी, उनकी वापसी की खबरों ने लोगों की उत्सुकता और बढ़ा दी। हालांकि, इन अटकलों पर विराम लगाते हुए सौम्या ने साफ कर दिया है कि वह फिलहाल इस शो का हिस्सा बनने नहीं जा रही हैं।

सौम्या टंडन ने दिया जवाब

जूम टीवी के साथ इंटरव्यू के दौरान सौम्या टंडन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनका 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में लौटने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने बताया कि वह अपने करियर में आगे बढ़ चुकी हैं और इस समय दूसरे प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। उनके मुताबिक, जब वह किसी नए रास्ते पर आगे बढ़ चुकी हैं, तो पुराने शो में वापसी का सवाल ही नहीं उठता। गौरतलब है कि सौम्या टंडन ने साल 2020 में 'भाबीजी घर पर हैं' को अलविदा कह दिया था। उनके जाने के बाद शो में अनीता भाभी के किरदार को पहले नेहा पेंडसे ने निभाया और फिर विदिशा श्रीवास्तव इस रोल में नजर आईं। हालांकि, सौम्या की लोकप्रियता ऐसी रही कि आज भी दर्शक उन्हें उसी किरदार में याद करते हैं।

धुरंधर में नजर आईं सौम्या टंडन

टीवी के अलावा सौम्या टंडन ने अब फिल्मों की ओर भी कदम बढ़ा दिया है। हाल ही में वह फिल्म 'धुरंधर' में नजर आईं, जहां उन्होंने अक्षय खन्ना के किरदार की पत्नी की भूमिका निभाई थी। सीमित स्क्रीन टाइम के बावजूद उनके अभिनय को सराहा गया। सौम्या ने यह भी संकेत दिया कि फिल्म के सीक्वल 'धुरंधर 2' में उनकी भूमिका ज्यादा बड़ी नहीं होगी, क्योंकि कहानी के अनुसार उनके किरदार की मौत पहले ही हो चुकी है। हालांकि, दर्शकों को उनकी झलक जरूर देखने को मिलेगी। बताया जा रहा है कि 'धुरंधर पार्ट 2' अगले साल मार्च में रिलीज होगी, जिसमें रणवीर सिंह के किरदार की बैकस्टोरी पर ज्यादा फोकस किया जाएगा। पहले पार्ट को रिलीज हुए काफी समय बीत चुका है, लेकिन फिल्म का क्रेज अब भी दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है।

रश्मिका ने फिल्मी इंडस्ट्री में अपनी सफलता का श्रेय फैंस को दिया?

रश्मिका मंदाना ने फिल्म इंडस्ट्री में नौ साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर उन्होंने खास लोगों के लिए एक भावुक संदेश शेयर किया। उन्होंने अपने पूरे सफर में मिले प्यार और समर्थन के लिए सभी का शुक्रिया अदा किया।

रश्मिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म इंडस्ट्री में नौ साल पूरे होने पर अपने फैंस और सभी शुभचिंतकों के सपोर्ट के लिए शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 9 साल, अभी भी विश्वास नहीं हो रहा। 26 फिल्मों के बाद मुझे सबसे ज्यादा गर्व अपने काम पर नहीं, बल्कि इस सफर में मिले परिवार पर है। सारा प्यार, धैर्य, विश्वास और हर छोटा-बड़ा पल, ये सब मेरे दिल को खुशी से भर देते हैं।

फैंस को दिया सफलता का क्रेडिट

रश्मिका ने आगे लिखा, आज आपके मैसेज और पोस्ट पढ़कर दिल बहुत खुश हुआ। हर मुश्किल और खुशी के समय में साथ देने के लिए शुक्रिया। मैं आपकी वजह से ही यहां तक पहुंची। मुझे वैसी ही स्वीकार करने और इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद। हमारा रिश्ता अब सिर्फ एक्टर-फैन से बहुत आगे का है। आप मेरे लिए परिवार जैसे हैं। उम्मीद है ये रिश्ता हमेशा बना रहे और मैं आगे भी अच्छा काम करती रहूं। आप सबके लिए ढेर सारा शुक्रिया। आपकी रश्मिका।

रश्मिका का वर्कफ्रंट

रश्मिका मंदाना नई फिल्म मैसा में नजर आएंगी। हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था। 'मैसा' का निर्देशन रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं। इस फिल्म को अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। यह फिल्म गोंड जनजाति की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर फिल्म है।

'इक्कीस' के लिए क्यों रिजेक्ट हुए वरुण धवन? अगस्त्य नंदा कैसे बने पहली पसंद

'इक्कीस' की रिलीज से पहले इसके डायरेक्टर श्रीराम राघवन ने फिल्म को लेकर कई बातें साझा की हैं। हालिया दिए गए एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि वरुण धवन भी फिल्म में लीड रोल निभाने के लिए एक्साइटेड थे लेकिन एक वजह से उनका सेलेक्शन नहीं हुआ। साथ ही डायरेक्टर ने यह भी बताया कि लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के रोल में अगस्त्य नंदा को ही क्यों कास्ट किया गया।

इस वजह से रिजेक्ट हुए वरुण धवन

हाल ही में 'द हिंदू' को दिए इंटरव्यू में श्रीराम राघवन कहते हैं, 'वरुण धवन फिल्म 'इक्कीस' के लिए एक्साइटेड थे। हमने इस पर काम करना शुरू कर दिया था। लेकिन जब तक शुरुआती स्क्रिप्टिंग पूरी हुई, कोविड आ गया और प्लान बदल गए। जैसे-जैसे स्क्रिप्ट आगे बढ़ी, हमें अहसास हुआ कि कहानी के लिए एक्टर की उम्र एक अहम फैक्टर है। कुछ सीन में लीड कैरेक्टर अरुण खेत्रपाल सिर्फ 19 साल के हैं। ऐसे में हमें फिल्म की कहानी के लिए एक नए चेहरे की जरूरत थी।'

क्यों चुने गए अगस्त्य नंदा?

डायरेक्टर श्रीराम राघवन बताते हैं कि जब अगस्त्य नंदा को कास्ट किया गया था, तब वह 21 साल के थे, जिससे वह रोल के लिए ज्यादा सही लगे। साथ ही डायरेक्टर ने कहा कि अगस्त्य नंदा में एक और खासियत थी, जिसे वजह से वह सेलेक्ट हुए। श्रीराम राघवन कहते हैं, 'मुझे उनकी आंखों में मासूमियत दिखती थी।'

क्या है फिल्म 'इक्कीस' की कहानी

फिल्म 'इक्कीस' की कहानी एक यंग आर्मी ऑफिसर अरुण खेतरपाल की है। महज 21 साल की उम्र में देश के लिए इस सैन्य अधिकारी ने बलिदान दिया था। फिल्म में अभिनेता धर्मेंद्र ने आर्मी ऑफिसर के पिता का किरदार निभाया। यह दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म है।

'हाउसफुल 5' और 'धुरंधर' की आलोचनाओं पर चित्रांगदा ने कहा...

अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 5' की महिला किरदारों को अजब तरह से दिखाने को लेकर काफी आलोचनाएं हुईं। फिल्म में महिला किरदार को सिर्फ एक ऑब्जेक्ट के तौर पर दिखाया गया था और उनके कई भद्दे सीन भी थे। कई लोगों का कहना था कि फिल्म में दिखाए गए चुटकुले ज्यादातर महिलाओं के शरीर पर ही टिप्पणियां थीं। इन आलोचनाओं पर अब फिल्म का हिस्सा रहीं अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने प्रतिक्रिया दी है।

सीन को पर्दे पर दिखाना निर्देशक का काम

बातचीत के दौरान चित्रांगदा सिंह ने फिल्म की आलोचनाओं को लेकर कहा कि जब लोगों की प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हुईं तो उन्होंने उन पर गौर किया। एक्ट्रेस ने बताया कि जब आप स्क्रिप्ट सुनते हैं, तो आपको शॉट ब्रेकडाउन नहीं बताया जाता। आप सिर्फ उतना ही कल्पना कर पाते हैं, जितना स्क्रिप्ट में लिखा होता है। इसके अलावा किसी सीन को पर्दे पर कैसे दिखाया जाए, यह निर्देशक ही तय करता है। आगे महिलाओं की भूमिकाओं को लेकर उन्होंने कहा कि महिलाओं को अक्सर मजबूत भूमिकाएं मिलने से पहले ग्लैमरस भूमिकाओं में खुद को साबित करना पड़ता है। हालांकि, मैं इनमें से किसी भी बात को सही ठहराने की कोशिश नहीं कर रही हूं। लेकिन मुझे लगता है कि हर अभिनेता का अपने अभिनय पर एक सीमित नियंत्रण होता है। हालांकि, कभी-कभी महिलाओं से जुड़ी फिजिकल कॉमेडी देखना थोड़ा अनकंफर्टेबल लगता है।

काफी पेचीदा है कॉमेडी

कॉमेडी को पेचीदा बताते हुए चित्रांगदा ने कहा कि कभी-कभी चुटकुले लोगों को हंसाते हैं और वे हंसते हैं। कभी-कभी नहीं हंसते। जब चुटकुले असरदार नहीं होते, तभी लोग आलोचना करने लगते हैं। जिम कैरी और एडी मर्फी जैसे अभिनेताओं की फिल्मों में भी बोल्ड फिजिकल कॉमेडी थी और लोगों ने उन्हें पसंद किया। ऐसे सीन पहले भी हुआ करते थे।

'धुरंधर' को लेकर चित्रांगदा ने कहा कि कभी-कभी जब धुरंधर जैसी फिल्म आती है, तो कुछ लोग इसे सिर्फ हिंसात्मक सीन वाली फिल्म के रूप में देखते हैं, लेकिन यही तो कहानी कहने का तरीका है। हर जॉनर की अपनी एक अलग स्टाइल होती है। मैं इस पर कोई राय नहीं देती। यह दर्शकों और उनके विवेक के ऊपर है कि वे फिल्म देखें या न देखें या इससे सहमत हों या न हों। कभी-कभी हम कुछ ज्यादा ही आलोचनात्मक हो जाते हैं। लेकिन आपको इसे सही नजरिये से देखना चाहिए और इसे कुछ सिनेमाई छूट देनी चाहिए।

'बैटल ऑफ गलवां' में नजर आएंगी चित्रांगदा

वर्कफ्रंट की बात करें तो साल 2025 में चित्रांगदा की चार फिल्में रिलीज हुईं। इनमें परिक्रमा, हाउसफुल 5, खाकी- द बंगाल चैप्टर और रात अकेली है- द बंसल मर्डर्स शामिल हैं। हालांकि, 'हाउसफुल 5' को छोड़कर बाकी सारे प्रोजेक्ट्स ओटीटी पर ही रिलीज हुए। वो आखिरी बार नवाजुद्दीन सिद्दीकी और राधिका आप्टे के साथ नेटफ्लिक्स की फिल्म में 'रात अकेली है- द बंसल मर्डर' में नजर आई थीं। अब वो सलमान खान के साथ 'बैटल ऑफ गलवां' में दिखाई देंगी।

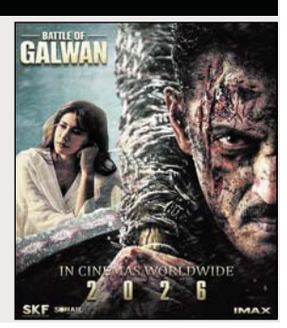

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in